राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 30अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–279 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

ब्रह्मास्त्र' से बदला मौनी रॉय का जीवन

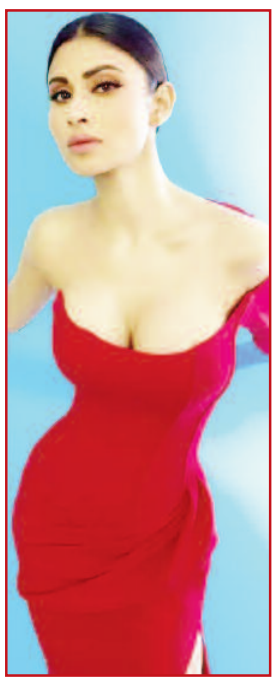

अभिनेत्री मौनी रॉय अपने नए शो 'टेम्पटेशन आइलैंड' को लेकर हर तरफ चर्चा में हैं। मौनी रॉय टीवी से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। अभिनेत्री ने सीरियल के अलावा गोल्ड, मेड इन चाइना, रोमियो अकबर वाल्टर, वेले और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों में काम किया। मौनी रॉय को रणबीर कपूर-आलिया भट्ट की फिल्म से एक नई पहचान मिली। हाल ही में, मौनी रॉय ने अपने नए शो के प्रचार के दौरान फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' से मिले सम्मन और प्रशंसा पर खुलकर बात की। नए शो 'टेम्पटेशन आइलैंड' के प्रचार के दौरान मौनी रॉय ने बताया कि 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वनः शिवा' की सफलता के बाद उनका जीवन कैसे बदल गया है। अभिनेत्री ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मेरा जीवन वैसा ही है। मेरे पास मेरे पति, मेरा परिवार और मेरे दोस्त हैं। प्रोफेशनल लाइफ में मुझे इस फिल्म के द्वारा अभिनेत्री के रूप में सही पहचान मिली है। ब्रह्मास्त्र में काम करने पर मुझे फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों ने सम्मान दिया है।' अभिनेत्री ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा कि करियर की शुरूआत से ही उन्हें अपने फैंस का समर्थन मिला है।

सभी चर्च की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और केरल पुलिस से साधा संपर्क

नई दिल्ली। केरल के एनार्कुलम में कन्वेंशन सेंटर में बम धमाकों के बाद दिल्ली एवं यूपी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यूपी एटीएस और समस्त जिलों की पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ संदिग्धों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, इस्राइल-फलस्तीन से जुड़े हर विरोध प्रदर्शन पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। वहीं दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल सेंट्रल एजेंसियों के संपर्क में है। दिल्ली में सभी चर्च की सुरक्षा बढ़ाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस मुख्यालय के सूत्रों से यह जानकारी मिली है। यूपी के स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस्राइल-हमास युद्ध के दृष्टिगत पहले भी अलर्ट किया गया था। केरल की हालिया घटना के बारे में जानकारी जुटाई जाए रही है। एहतियात के तौर पर इस्राइल और फलस्तीन के समर्थन को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। इनमें मौजूद लोगों के साथ-साथ वर्चुअली जुड़ने वालों की भी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यूपी पुलिस केरल पुलिस और अन्य केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के संपर्क में है। प्रदेश में केरल के कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। बता दें कि प्रदेश में पीएफआई, सीएफआई, वहदत ए इस्लामी आदि संगठनों से जुड़े तमाम संदिग्ध लोग जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। हाल ही में एनआईए

ने लखनऊ, भदोही, संतकबीरनगर, बलिया समेत सात जिलों में इन संगठनों से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापे मारे थे। इस बारे में यूपी एटीएस से भी गोपनीय सूचनाएं साझा की गई हैं। केरल ब्लास्ट में बाद दिल्ली में हाई अलर्ट जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, केरल के कलामस्सेरी स्थित कन्वेंशन सेंटर में हुए धमाके के बाद दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर खास नजर रखी जा रही है। स्पेशल सेल लगातार खुफिया एजेंसियों के संपर्क में है और किसी भी इनपुट को हल्के में नहीं लिया जाएगा। भीड़भाड़ वाली जगह पर सुरक्षा के इंतजाम किये जा रहे हैं। केरल के एनार्कुलम में रविवार सुबह एक कन्वेंशन सेंटर में भीषण ब्लास्ट हुआ। इसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत की खबर है। वहीं, कई लोग घायल हैं। कलामसेरी पुलिस के मुताबिक, यह धमाका उस वक्त हुआ, जब कई लोग कन्वेंशन सेंटर में प्रार्थना सभा के लिए जुटे थे। पुलिस के मुताबिक, पहला धमाका सुबह नौ बजे के करीब हुआ।

इजराइल-हमास युद्ध को लेकर पोस्ट पर पूर्णिया में बवाल

पूर्णिया। इजराइल-हमास युद्ध को लेकर इंस्टाग्राम पर एक युवक की पोस्ट पर बवाल हो गया। बिहार के पूर्णिया में दो समुदाय आमने-सामने आ गए। झड़प में एक युवक का सिर फट गया। फिलहाल इलाके में तनाव है। पांच थानों की पुलिस बल मौके पर है, लेकिन उपद्रवी मान नहीं रहे। बाजार बंद करा दिया गया है। मामला चंपानगर बाजार का है। एक युवक इजराइल-हमास युद्ध पर लगातार पोस्ट कर रहा था, जिस पर इलाके के ही कुछ युवकों ने आपत्ति जताई। इसके बाद शनिवार 28 अक्टूबर की रात कुछ युवकों में मारपीट हुई। एक युवक का सिर फट गया। युवक ने इसकी शिकायत पुलिस में की। कार्रवाई नहीं होने पर एक पक्ष के लोग सड़क पर उतर गए, जिसके बाद बवाल बढ़ गया। देर रात को पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले युवक को हिरासत में ले लिया। रविवार सुबह युवक को पकड़े जाने का दूसरा पक्ष विरोध कर रहा है। जिस पर आज फिर विवाद बढ़ गया। दूसरे पक्ष ने सड़क जाम की और दुकानें बंद करा दीं। सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया। मामला इतना बढ़ गया कि मौके पर 5 थानों की पुलिस कैंप कर रही है। चंपानगर ओपी थाना प्रभारी डेजी कुमारी ने बताया कि दोनों पक्षों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही माहौल को शांत कर लिया जाएगा। फिलहाल कुछ अफवाह और नोकझोंक को लेकर दो पक्षों में तनाव है। दोनों पक्षों से बात की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इजरायल-हमास युद्ध को लेकर एक युवक पिछले तीन दिन से विवादित पोस्ट कर रहा था। इसे लेकर इलाके के कुछ लड़कों को आपत्ति थी।

छत्तीसगढ़ को राहुल गांधी की 2 नई गारंटी

10 लाख का स्वास्थ्य बीमा, मजदूरों को हर साल 10 हजार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी ने 2 नए वादे किए हैं। राजनांदगांव में उन्होंने कहा कि, स्वास्थ्य बीमा की राशि को हम 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करेंगे। इसके अलावा मजदूरों को हर साल दी जाने वाली 7 हजार रुपए की राशि को भी बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के प्रचार के लिए राहुल गांधी जुटे हैं। 2 दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राजनांदगांव में उन्होंने सभा की और कहा कि, कांग्रेस पार्टी ने जितने वादे किए थे उससे ज्यादा कर के दिखाया है। पांच साल पहले ऐसी ही मीटिंग में भूपेश बघेल और मैंने छत्तीसगढ़ की जनता से वादे किए थे। जिससे बढ़कर हमने काम किया। हमने ये भी कहा था कि धान के लिए छत्तीसगढ़ के किसानों

को 2500 रुपए देंगे। राहुल ने लोगों से पूछा कि बताइए हमने सच बोला या झूठ। उन्होंने कहा कि जो हमने कहा वो करके दिखाया। हमने 2500 का वादा किया था कि लेकिन अब हम 2640 रुपए दे रहे हैं। आने वाले समय में हम 3 हजार रुपए देंगे। 5 साल पहले हमने 2500 रुपए क्विंटल में धान खरीदने का वादा किया था। हमने वादा किया था कि ऐसी सरकार आएगी जो किसानों और मजदूरों की बात सुनेगी। आज हम 2500 नहीं 2640 में धान खरीद रहे हैं। जो स्टेज से बोला था उससे हम आगे निकल चुके हैं। आप बोलो भी ना हम दिल की बात सुन लेते हैं। इसे आने वाले समय में 3 हजार रुपए तक ले जाएंगे। कर्ज माफ, बिजली बिल हाफ, किसान न्याय योजना में 23 हजार करोड़ रुपए 26 लाख किसानों को दिया। 7 हजार रुपए हर साल मजदूरों को मिला। आज मजदूरों से बात हुई तो उन्होंने कहा कि, 7 हजार थोड़े कम है, तभी हमने भूपेश जी के साथ गाड़ी में बैठकर यह फैसला ले लिया कि अब यह 7 हजार नहीं 10 हजार रुपए हो जाएगा। सारे किसानों को भी मैं कहना चाहता हूं कि, पहले भी हमने कर्जमाफी का वादा किया था और उसे कर के दिखाया था।

पीएम मोदी के मन की बात का 106वां एपिसोड

मोदी बोले- मेक इन इंडिया को बढ़ावा दें, त्योहारों में सामान छोटे दुकानदारों से खरीदें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 106वें एपिसोड में वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया। प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ ही दिनों में दिवाली का त्योहार आने वाला है। मेरी देशवासियों से अपील है कि वो मेड इन इंडिया सामान ही खरीदें। प्रधानमंत्री ने कहा- 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्मदिन है। इस दिन गुजरात के केवड़िया में एक कार्यक्रम तो होगा ही। साथ ही दिल्ली में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत देशभर से इकट्ठा गई मिट्टी से अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। पीएम ने कहा- इस महीने की शुरूआत में गांधी जयंती के अवसर पर दिल्ली में खादी की रिकॉर्ड बिक्री हुई। यहां कनॉट प्लेस में, एक ही खादी स्टोर में, एक ही दिन में, डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा का सामान लोगों ने खरीदा। आपको एक और बात जानकार भी बहुत अच्छा लगेगा, दस साल पहले देश में जहां खादी प्रोडक्ट्स की बिक्री बड़ी मुश्किल से 30 हजार करोड़ रुपए से भी कम की थी, अब ये बढ़कर सवा लाख करोड़ रुपए के आसपास पहुंच रही है। पीएम ने कहा- साथियों, आज मैं अपना एक और आग्रह आपके सामने दोहराना चाहता हूं और बहुत ही

आग्रहपूर्वक दोहराना चाहता हूं। जब भी पर्यटन या तीर्थाटन पर जाएं तो वहां के स्थानीय कलाकारों द्वारा बनाए गए उत्पादों को जरूर खरीदें। यात्रा के कुल बजट का जितना हो सके, उतना हिस्सा लोकल सामान पर खर्च करें। प्रधानमंत्री ने कहा- हर त्योहार की तरह इस त्योहार पर भी वोकल फॉर लोकल का हिस्सा बनें। ऐसा सामान से अपने घर को सजाएं, जिसमें देशवासी के पसीने की सुगंध हो। वोकल फॉर लोकल सिर्फ त्यौहारों तक सीमित नहीं रखनी है। ये भावना दीवाली तक ही नहीं रखनी है। और दीवाली पर सिर्फ सोशल मीडिया के लिए दीए नहीं खरीदने हैं। ऐसे प्रोडक्ट खरीदते वक्त हमारे देश की शान यूपीआई से ही पेमेंट करें। ऐसी खरीदारी करते समय सेल्फी लें और उसे नमो ऐप पर शेयर करें, वो भी मेड इन इंडिया फोन से। पीएम मोदी ने मन की बात में लोगों से अपने आस-पास रहने वाले खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा- हमारा देश में स्पोर्ट्स में परचम लहरा रहा है। पिछले दिनों एशियन गेम्स के बाद पैरा एशियन गेम्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। इन खेलों में भारतीयों ने 111 मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मेरी आप सब से प्रार्थना है आपके गांव में, अगल-बगल में, ऐसे बच्चे जिन्होंने इस खेलकूद में हिस्सा लिया है या विजयी हुए हैं, आप सपरिवार उनके पास जाइए। उनको बधाई दीजिए। मैंने पिछले दिनों देश के हर गांव से, हर घर से मिट्टी संग्रह करने का आग्रह किया गया था। हर घर से मिट्टी संग्रह करने के बाद उसे कलश में रखा गया और फिर अमृत कलश यात्राएं निकाली गईं। देश के कोने-कोने से एकत्रित की गयी ये माटी, ये हजारों अमृत कलश यात्राएं अब दिल्ली पहुंच रही हैं। यहां दिल्ली में उस मिट्टी को एक विशाल भारत कलश में डाला और इस पवित्र मिट्टी से दिल्ली में 'अमृत वाटिका' का निर्माण होगा। 31 अक्टूबर का दिन हम सभी के लिए बहुत विशेष होता है। इस दिन हमारे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती मनाते हैं। हम भारतवासी, उन्हें कई वजहों से याद करते हैं और श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

'अयोग्य होने पर भी शिंदे ही रहेंगे मुख्यमंत्री'

मुम्बई। विधायकों के अयोग्यता मामले पर बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अयोग्य नहीं होंगे। अगर वह अयोग्य हो भी जाते हैं, तो हम उन्हें विधान परिषद के लिए निर्वाचित कराएंगे और वह मुख्यमंत्री पद बरकरार रखेंगे। अगला चुनाव भी उनके ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा। शीर्ष अदालत ने इससे पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थित कई विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी पर राज्य विधानसभा अध्यक्ष को कड़ी फटकार लगाई थी और कहा था कि स्पीकर शीर्ष अदालत के आदेशों को खारिज नहीं कर सकते हैं। शिंदे गुट द्वारा भी उद्धव के समर्थित सांसदों के खिलाफ इसी तरह की अयोग्यता याचिकाएं दायर की गई हैं। 18 सितंबर को शीर्ष अदालत

ने स्पीकर को शिंदे और उनके समर्थित शिवसेना विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर फैसले के लिए समय-सीमा बताने का निर्देश दिया, जिन्होंने जून 2022 में नई सरकार बनाने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया था। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्तूबर को राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को पार्टी में विभाजन के बाद एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा देने को कहा था।

खेत से घर लौट रहे किसान की गोली मारकर हत्या

बागपत। जनपद में हिलवाड़ी गांव में खेत से घर लौट रहे किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मामले में छानबीन की जा रही है। जानकारी के अनुसार हिलवाड़ी गांव निवासी किसान कृष्णपाल उर्फ काला(52) पुत्र श्रीचंद खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने किसान की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जांच पड़ताल के बाद शव का पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया जांच में पुरानी रंजिश को लेकर हत्या करना सामने आया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि इसी वर्ष दुल्हैंडी के दिन मृतक किसान के बेटे दीपक ने गांव के ही युवक विक्की की हत्या कर दी थी। तभी से दोनों परिवारों में रंजिश चली आ रही है।

महुआ बोलीं- कैश फॉर क्वेरी के आरोप फर्जी

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप में घिरीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को फर्जी बताया है। महुआ ने एक पोस्ट में लिखा- BJP के कैश फॉर क्वेरी के आरोप फर्जी हैं। उनके पास कोई सबूत नहीं है। महुआ ने यह भी कहा कि अगर दर्शन हीरानंदानी, अडाणी के खिलाफ बोलें तो मैं उन्हें रिश्वत देने को तैयार हूं। टीएमसी सांसद के इस बयान पर इखढ प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तंज कसते हुए कहा है कि एक तो चोरी ऊपर से सीनाजोरी। महुआ सबको मूर्ख समझती हैं, उन्हें जांच पूरी होने तक रिजाइन दे देना चाहिए। संसद की एथिक्स कमेटी ने महुआ को 2 नवंबर को पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा है। महुआ ने मामले में पार्टी से सपोर्ट नहीं मिलने पर कहा- टीएमसी का फोकस देशहित के मुद्दों पर है। उसे पालतू कुत्ते की कस्टडी या मुझ पर पैसे लेने के आरोप सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है, जिसे कोई भी साबित नहीं कर सकता है। हमारी नेता ममता बनर्जी को भी मेरा बचान करने की जरूरत नहीं है। मैं अपना बचाव करने में पूरी तरह से सक्षम हूं। टीएमसी के साथ मेरी राजनीतिक कॉरियर के अंत का शोक संदेश भाजपा ने 5 महीने पहले ही तैयार कर लिया

था। सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के आरोपों का जिक्र करते हुए मोइत्रा ने कहा- मेरी देहाद्राई के साथ पालतू डॉग की कस्टडी को लेकर लड़ाई है। सोचिए यह कितना हास्यास्पद है। टीएमसी सांसद ने आगे कहा- मेरे ऊपर आरोप लगा कि मैं महंगे जूते पहनती हूं। आपको पता होना चाहिए, मैं एक बैंकर थी। मेरे पास 35 जोड़ी फेरागामो जूते हैं। मैं फेरागामो तब से पहन रही हूं जब जय देहाद्राई को यह पता नहीं था कि इसकी स्पेलिंग क्या है। उन्होंने देहाद्राई की शिकायत को पूरी तरह से फर्जी बताया और कहा- आपने निजी रिश्ते में नाकाम रहे एक व्यक्ति का इस्तेमाल एक फर्जी शिकायत दर्ज कराने में किया। संसद में सवाल पूछने के बदले हीरानंदानी से गिफ्ट लेने के आरोपों पर मोइत्रा ने कहा, दर्शन ने बतौर करीबी मित्र के तौर पर चार साल पहले बर्थडे पर मुझे एक स्कार्फ गिफ्ट किया था। इसके अलावा मैंने उनसे बॉबी ब्राउन मेकअप सेट मांगा था लेकिन उन्होंने मुझे एक मैक आईशैडो और लिपस्टिक दिया था। उन्होंने कहा कि जब भी वो मुंबई या दुबई में होती थीं दर्शन हीरानंदानी की कार उन्हें एयरपोर्ट से पिक और ड्रॉप करती थी। उन्होंने कहा- मैं ये स्वीकार करती हूं कि निजी रिश्ते चुनने के मामले में मैंने गलती की है, लोगों को चुनने के मामले में मेरा टेस्ट खराब है, मैं मानती हूं मैं इसकी दोषी हूं और मुझे इससे जल्द बाहर निकलना है। मोइत्रा ने उन आरोपों से भी इंकार कर दिया जिसमें कहा गया था कि बंगले के रिनोवेशन के लिए हीरानंदानी ने उन्हें पैसे दिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रदूषण से मुक्ति के लिए गंभीरता की दरकार

डॉ. अनिल कुमार निगम

उच्चतम न्यायालय ने भी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर रिपोर्ट मांगी है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने प्रदूषण के मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह की सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण की समस्या और फसल अवशेष जलाने के बारे में दी गई दलीलों का संज्ञान लिया। अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होनी है।

दिल्ली और एनसीआर की हवा में एक बार फिर जहर घुल गया है। दीपोत्सव का त्योहार अभी दूर है लेकिन देश की राजधानी की हवा की गुणवत्ता का इंडेक्स (एक्यूआई) 300 के पार चला गया है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। हर वर्ष प्रदूषण का कारण दिवाली में आतिशबाजी से होने वाले प्रदूषण, पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जलाई जाने वाली पराली को मानकर कुछ चंद उपाय कर लोगों को प्रदूषण के दंश को झेलने के लिए छोड़ दिया जाता है। पिछले लगभग एक दशक में अक्टूबर से जनवरी के बीच हर साल यह समस्या गहरा जाती है। दिल्ली सरकार भी ह्यजब आग लगे तो खोदो कुआंह्ण वाली कहावत चरितार्थ करते हुए प्रदूषण कम करने के चंद उपाय करती है जिससे कुछ तात्कालिक राहत भी मिल जाती है, लेकिन इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले जाने के बारे में गंभीर प्रयास देखने को नहीं मिलते। प्रदूषण की गंभीरता को यहां से समझना चाहिए कि अक्टूबर आते ही सांस और दमा के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। इसीलिए उच्चतम न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली-एनसीआर में हर साल अक्टूबर से नवंबर में प्रदूषण स्तर बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण सर्दियों में हवा का घनत्व बढ़ना और तापमान का गिरना है। इसके चलते प्रदूषण नीचे ही रह जाता है और स्मॉग के तौर पर दिखता है। यही स्मॉग कोहरे के साथ मिलकर प्रदूषण और तरह-तरह की गैस एक घातक मिश्रण को जन्म देती है। सर्दियों में हवा भी काफी कम चलती है, ऐसे में प्रदूषण लगातार बढ़ता रहता है। गर्मियों में तापमान अधिक होने से हवा में घनत्व काफी कम हो जाता है और प्रदूषण आसानी से छंट जाता है।

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के अन्य कारण भी हैं। दिल्ली की आबादी पिछले एक दशक में बहुत तेजी से बढ़ी है। यहां की आबादी 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है। इसी तरह एनसीआर की आबादी लगभग साढ़े 4 करोड़ से अधिक है। आबादी का ग्रोथ रेट काफी अधिक है। आबादी बढ़ने के साथ ही दिल्ली एवं एनसीआर में वाहनों का दबाव भी तेजी से बढ़ा रहा है। दिल्ली का विश्व में सबसे अधिक वाहनों वाला शहर माना जाता है। यहां के निवासी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का इस्तेमाल करने की जगह निजी वाहनों का प्रयोग अधिक करते हैं। विकास के नाम पर दिल्ली एवं एनसीआर में निर्माण कार्य भी बेतरतीब तरीके से होता रहता है। इससे धूल के कण हवा में जहर घोलने का काम करते हैं।

इसके अलावा खेतों में पराली जलना भी प्रदूषण का बड़ा कारण है। हरियाणा और पंजाब समेत कई राज्यों में किसान इन महीनों में पराली जलाते हैं, जिससे स्मॉग की समस्या बढ़ जाती है। प्रदेश सरकारें आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाल सकी हैं। सरकारें किसानों को यह चेतावनी देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती हैं कि अगर किसानों ने पराली जलाई तो उनको जुमार्ना देना होगा, लेकिन सरकारें भी यह बात अच्छी तरीके से जानती हैं कि किसान के पास पराली को डिस्पोज करने का कोई विकल्प नहीं है। पराली का डिस्पोजल इतना महंगा है कि किसान सरकार के सहयोग के बिना उसे कर ही नहीं सकते है।

दिल्ली में हवा अत्यधिक खराब होने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अधिकारियों को ग्रेडेड रिस्पांस के चरण दो को लागू करने का निर्देश दिया है। ग्रेप-2 के नियमों के तहत केंद्र सरकार दिल्ली और एनसीआर में पार्किंग शुल्क बढ़ा देगी, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाए। सरकार मेट्रो और इलेक्ट्रिक बसों के फेरे भी बढ़ाएगी। इसके अलावा सड़कों पर रेस्ट्रोरेंट में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध, धूल के कणों को कम करने के लिए पानी के छिड़काव करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा उच्चतम न्यायालय ने भी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से दिल्ली और उसके आसपास वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर रिपोर्ट मांगी है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने प्रदूषण के मामले में न्याय मित्र की भूमिका निभा रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह की सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण की समस्या और फसल अवशेष जलाने के बारे में दी गई दलीलों का संज्ञान लिया। अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को होनी है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह सभी प्रयास अक्टूबर और नवंबर महीने में ही क्यों किए जाते हैं? क्या इस जहरीली हवा से लोगों को निजात दिलाने के लिए स्थायी प्रयास नहीं किए जा सकते? सवाल यह भी है कि क्या सभी प्रयास सरकारों को ही करने होंगे? वास्तविकता यह है कि सुरसा की मुंह की तरह बड़ी होती इस समस्या के स्थायी निवारण के लिए दिल्ली-एनसीआर बोर्ड को स्वायत्त बना कर उसे निर्णय लेने की शक्तियों से संपन्न बनाना होगा। बोर्ड को दीर्घकालीन योजना बनाकर लोगों को इस संकट से मुक्ति दिलानी होगी। लेकिन यह कार्य अकेले एनसीआर बोर्ड नहीं कर सकता। इसके लिए दिल्ली एनसीआर में रहने वाले नागरिकों को अपने कर्तव्य को समझना होगा। उन्हें वह हर काम करना होगा अथवा उसमें सहयोग करना होगा जिससे वायु प्रदूषण को कम किया जा सके और लोग खुली हवा में सांस ले सकें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

सत्ता पाने की होड़ में साम दाम दंड भेद की नीति

देश में जब से पांच राज्य मिजोरम, तेलंगाना, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विधान सभा चुनाव की तिथियां चुनाव आयोग ने घोषित कर दी है तब से देश के सभी राजनीति दल सत्ता पाने की होड़ में साम दाम दंड भेद की नीति के साथ चुनाव मैदान में उतर आये है। जहां विशेष रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस एवं भाजपा के बीच है। है। राजस्थान में जहां भाजपा अभी तक सर्वाधिक उम्मीदवार मैदान में उतार चुकी है वहीं कांग्रेस जारी तीसरी सूची तक विधानसभा की कुल संख्या के आधे से भी कम उम्मीदवार घोषित कर पाई। कांग्रेस के कई चर्चित चेहरों को अभी उम्मीदवार सूची में शामिल नहीं किया गया है, आगे भी होगा की नहीं कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नामांकन की अतिम तिथि के आस पास अपनी पूरी सूची जारी करें। जब कि मध्यप्रदेश, मिजोरम, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सर्वाधिक उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। इन राज्यों में आम आदमी पार्टी भी पूरे जोश से अपना उम्मीदवार चनाव मैदान में उतारते जा रही है जहां उसका कोई वजूद तो नहीं पर उम्मीद सत्ता पाने तक बनी हुई है। इन राज्यों में अन्य मुख्य राजनीतिक दलों के आलावे देश के अन्य राजनीतिक दल आम आदमी पार्टी के साथ - साथ बसपा, भाकपा, रालोद, एआइएमएम राजनीतिक दल भी अपना अपना उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार रहे है जो चुनावी आकड़े को प्रभावित कर सकते। जिससे सत्ता किसके पास जायेगी, कह पाना मुश्किल है। जबकि राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीगढ़ में कांग्रेस एवं भाजपा मुख्य रूप से सत्ता की दौड़ में फिलहाल आगे है। दोनों में कड़ी टक्कर देखी जा सकती है, उम्मीदवार घोषित होने के बाद कम ज्यादा दोनों राजनीतिक दल में विरोध, मतभेद उभरते देखे जा सकते। इस परिवेश पर जो भी राजनीतिक दल जितना नियंत्रण कर पायेगा उतना हीं राजनीतिक लाभ में रहेगा। राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस फिर से सत्ता में वापिस आने की उम्मीद के साथ मध्यप्रदेश, तेलंगाना एवं मिजोरम में सत्ता पाने की दिशा में जहां प्रयासरत नजर आ रही रही है वहीं भाजपा मध्यप्रदेश की सत्ता को बचाये रखने के साथ - साथ अन्य राज्यों में भी डबल इंजन की सरकार कायम करने की दिशा में हर कदम उठाती नजर आ रही है। इस चुनाव में भाजपा स्थानीय नेतृत्व को नकार कर केन्द्रीय नेतृत्व को आगे कर चुनाव लड़ती नजर आ रही है जहां इस चुनाव में अपने कई सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा हे। भाजपा का यह नया प्रयोग उसे कितना राजनीतिक लाभ दे पायेगा , यह तो चुनाव उपरान्त आये चुनाव परिणाम ही बता पायेगा। इसी तरह तेलंगाना एवं मिजोरम में कांग्रेस एवं भाजपा में से किसी के पास भी फिलहाल सत्ता नहीं है, वहां सत्ता पर क्षेत्रीय दलों का अधिकार जमा हुआ है । चुनाव बाद वहां राजनीतिक स्थिति में बदलाव के लक्षण तो दिख रहे है पर यह बदलाव कांग्रेस की ओर जाता ज्यादा दिखाई दे रहा है। कांग्रेस सत्ता तक पहुंच पाती है या नहीं पर इस चुनाव में उसे पहले से ज्यादा राजनीतिक लाभ मिलता नजर आ रहा है। इस बार कांग्रेस को सत्ता मुख्य रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में मिलती नजर आ रही है तो मिजोरम एवं तेलंगाना में सत्ता के करीब दिखाई दे रही है।

चिंतन-मनन

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत् गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे।

भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगल जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है ''यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावित- इसका अर्थ है, '' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है।

यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे।

आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

लाखों लोग भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता क्यों ले रहे हैं

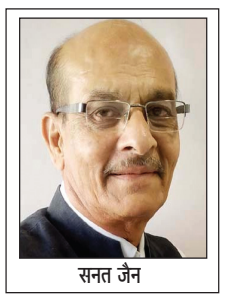

सनत जैन

देश की अच्छी आर्थिक स्थिति है तो पलायन क्यों?

बिहार और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग अपने रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में जाते हैं. कहा जाता है कि पलायन तब होता है। जब लोगों को अपने ही प्रदेश में रोजगार नहीं मिलता है। उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थितियां खराब होती हैं।

भारत से बड़ी संख्या में पलायन करके लोग विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। इनमें अधिकांश लोग करोड़पति और अरबपति बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है, कि 2014 के बाद से देश की स्थितियों में जो आर्थिक, सामाजिक एवं शासन प्रणाली में बदलाव आया है। उसके बाद से बड़ी तेजी के साथ भारत से पलायन बढ़ गया है। भारत की नागरिकता छोड़कर अमीर देशों की नागरिकता ले रहे हैं।

आर्थिक सहयोग विकास संस्था की जो 38 देश की रिपोर्ट सामने आई है। उसमें सबसे ज्यादा भारतीय विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। वर्ष 2021 में 38 देश में 4,07,000 नागरिकों ने अपने-अपने देश छोड़कर इन 38 देशों में नागरिकता ली है। इसमें भारत के 1 लाख 30 हजार नागरिकों ने विदेश में नागरिकता ली है। जो सबसे बड़ी संख्या है।

2003 में भारत छोड कर विदेश में नागरिकता लेने वालों की संख्या 85,396 थी। इसमें 2021 तक 86 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो आश्चर्यजनक है। भारत छोड़कर विदेश जाने वाले नागरिक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, इत्यादि धनी देशों एवं टैक्स हेवन देश में नागरिकता ले रहे हैं। इनमें से अधिकांश नागरिक करोड़पति, अरबपति हैं। वहां पर काम करने और रोजगार के लिए जाने वालों की संख्या कम है। कारोबारी ही भारत छोड़कर सबसे ज्यादा भारत की नागरिकता छोड़कर विदेश में जा रहे हैं।

भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता लेने वालों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है। सांसद चिदंबरम के एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में बताया, पिछले 3 साल 6 माह में 5,59,272 नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता ली है। संसद में दी गई, जानकारी के अनुसार 2003 में विदेश की नागरिकता लेने वालों की संख्या 85,396 थी। 2021 में यह संख्या बढ़कर 1,63,070 हो गई। 2022 में 2,25,230 भारतीय नागरिक विदेश चले गए। वहीं 2023 के 6 माह में एक लाख से अधिक नागरिकों ने भारत छोड़ दिया है।

भारत छोड़कर विदेश जाने वाले नागरिकों के अनुसार,भारत में जिस किस्म के नियम, कायदे, कानून, आनन फानन में लागू किये जा रहे हैं। बार-बार उन में बदलाव किया जा रहा है। जिस तरह की शासन व्यवस्था है। नियम और कानून जल्दी-जल्दी बदल दिए जाते हैं। जीएसटी कानून में पिछले 6 वर्षों में 1700 से अधिक बार नियम बदले गए हैं। यही स्थिति आयकर की है। जांच एजेंसियों द्वारा भी कारोबारियों को परेशान किया जा रहा है। उससे भारत में कारोबार करना अब आसान नहीं रहा। कानून व्यवस्था की स्थिति भी भारत में दिनों दिन बिगड़ती जा रही है। इसको देखते हुए, कारोबारी बड़ी संख्या में भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता ले रहे हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार द्वारा बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन वास्तविक स्थिति अलग नजर आती है। भारत में पिछले तीन वर्षों से 80 करोड लोगों को मुफ्त का राशन दिया जा रहा है। सरकार को सब्सिडी देनी पड़ रही है। जिसे खत्म किया जा चुका था। महंगाई, बेरोजगारी और खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए राज्य सरकारों को रेवड़ी बाँटनी पड़ रही है। बैंकों में एनपीए बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय नागरिकों की आय पहले की तुलना में कम हुई है। नागरिकों के उनके ऊपर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढा है। बड़ी संख्या में कर्ज के कारण लोग आत्महत्या कर रहे हैं। भारत सरकार जो दिखाती है, या जो गोदी मीडिया दिखाता है। ठीक उसके विपरीत वास्तविक स्थिति होने के कारण, करोड़पति अरबपति भारत छोड़कर भाग रहे हैं। भारत में पढ़ाई का स्तर भी दिनों दिन खराब हो रहा है। जिसके कारण अब विदेशों में पढ़ाई के लिए बड़ी संख्या में छात्र कनाडा और ब्रिटेन जा रहे हैं। शिक्षा स्वास्थ्य और विकास को लेकर जो बातें कही जा रहे हैं। धरातल पर स्थिति ठीक इसके विपरीत है। खुदरा व्यापार बड़ी तेजी के साथ भारत में खत्म होता जा रहा है। जिसके कारण शहरी क्षेत्र के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगारी तेजी के साथ फैल रही है। यही एक मुख्य कारण है, कि भारत से पलायन करने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है।

बंदूक संस्कृति : लाल होती अमेरिका की सरजमीं

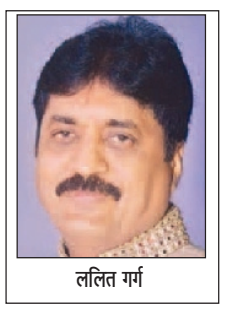

ललित गर्ग

दुनिया में खुद को सभ्य एवं स्वयंभू मानने वाले अमेरिका में बढ़ रही 'बंदूक संस्कृति' के साथ-साथ लोगों में बढ़ रही असहिष्णुता, हिंसक मनोवृत्ति और आसानी से हथियारों की सहज उपलब्धता का दुष्परिणाम बार-बार होने वाली दुखद घटनाओं के रूप में सामने आना चिन्ताजनक है।

अमेरिका में एक हत्यारे ने गोलियां बरसाकर करीब 21 लोगों को मौत की नींद सुला दिया और कई को जख्मी कर दिया है। तीन स्थानों पर गोलीबारी करने के बाद हत्यारा घटनास्थल से भागने में सफल रहा। खबर है कि हत्यारे ने खुदकुशी कर ली है और उसका शव उसके घर से मिला है। आश्चर्यकारी है कि दुनिया की सबसे दुरुस्त एवं सक्षम अमेरिकी पुलिस एक हत्यारे को पकड़ने में इतनी लाचार हो गई कि उसे सहयोग के लिए आम लोगों से अपील करनी पड़ी। हिंसा की बोली बोलने वाला, हिंसा की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में हथियारों की आंधी लाने वाला अमेरिका अब खुद हिंसा का शिकार हो रहा है। अमेरिका की आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही रही है कि यहां हिंसा इतनी सहज बन गई है कि हर बात का जवाब सिर्फ हिंसा की भाषा में ही दिया जाने लगा। वहां हिंसा का परिवेश इतना मजबूत हो गया है कि बंदूक-संस्कृति से वहां के लोग अपने ही घर में बहुत असुरक्षित हो गए थे। अमेरिका को अपनी बिगड़ती छवि के प्रति सजग होना चाहिए क्योंकि यह एक बदनुमा दाग है जो उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि को आघात पहुंचा रहा है।

नवीनतम घटना 25 अक्तूबर को देर रात ह्यएंड्रोस्कोगिन काऊंटीह्ण के अंतर्गत पड़ने वाले लेविस्टन में हुई, इस हादसे का सबसे खराब पहलू यह है कि अनेक लोग भगदड़ की वजह से घायल हुए तो अनेक हत्यारे की गोलियों से गहरी नींद सो गए। नरसंहार के कथित आरोपी 40 वर्षीय रॉबर्ट कार्ड को पुलिस ने हथियारबंद और खतरनाक व्यक्ति माना है, पर सवाल है कि क्या वह रातों-रात हत्यारा एवं हिंसक हुआ है? हत्यारा रॉबर्ट कार्ड अमेरिकी सेना से जुड़ा रहा है और आग्नेयास्त्र प्रशिक्षक है। मानसिक अस्वस्थता एवं मनोविकार से ग्रस्त हत्यारे के खिलाफ अनेक शिकायतें पहले भी मिल चुकी थी, प्रश्न है कि उन्हें क्यों नहीं गंभीरता से लिया गया। अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रहीं कि किसी सिरफिरे ने कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर कई निदरेषों का खून बहाया। अब तो अमेरिकी बच्चों के हाथों में भी बंदूकें हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है।

अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। एफबीआई की वार्षिक अपराध रिपोर्ट बताती है कि बंदूक संस्कृति एवं इससे जुड़ी हिंसा व्यापक हो गई है। पिछले साल अमेरिका में लगभग पांच लाख हिंसक अपराधों में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। वर्ष 2020 में बंदूक संस्कृति अमेरिकी बच्चों की मौत का मुख्य कारण बनी और 2022 में हालात और बदतर हो गए। जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या 12 प्रतिशत बढ़ गई। इन हालात में अमेरिका किस तरह दुनिया का आदर्श बन सकता है, जबकि दुनिया अमेरिकी संस्कृति का अनुसरण करती है, वहीं अमेरिका तमाम देशों की सामाजिक व मानवाधिकार रिपोर्ट जारी करता है।

अमेरिका अगर अपनी कथनी-करनी का भेद मिटाने की ओर बढ़े, तो उसके साथ-साथ दुनिया को ज्यादा फायदा होगा। राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार अमेरिका में ह्यबंदूक संस्कृतिह्ण बढ़ाने में वहां की नकारात्मक राजनीति की बड़ी भूमिका है। आम जनता तो हथियारों पर अंकुश लगाने के पक्ष में है परंतु अपने निहित स्वाथरे के कारण अमेरिका में हथियारों को बढ़ावा देने वाली वहां की सशक्त हथियार लॉबी और राजनीति से जुड़े लोग इस पर अंकुश नहीं लगने देते। पिछले साल जून में भारी तादाद में लोगों ने सड़कों पर उतर कर बंदूकों की खरीद-बिक्री से संबंधित कानून को बदलने की मांग की। जरूरत इस बात की है कि इस समस्या के पीड़ितों को राहत देने के साथ-साथ बंदूकों के खरीदार से लेकर इसके निमार्ताओं और बेचने वालों पर भी सख्त कानून के दायरे में लाया जाए। किसी भी संवेदनशील समाज को इस स्थिति को एक गंभीर समस्या के रूप में देखना-समझना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्र सरकार का अनुमान, इस साल 3.79 प्रतिशत घटकर 106.31 मिलियन टन रहेगा चावल का उत्पादन

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के नवीनतम अनुमान के अनुसार प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम बारिश के कारण फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के खरीफ सीजन में देश का चावल उत्पादन 3.79 प्रतिशत घटकर 106.31 मिलियन टन होने की उम्मीद है। पिछले फसल वर्ष के समान सीजन में चावल का उत्पादन 110.5 मिलियन टन था। चावल मुख्य खरीफ फसल है और इसकी कटाई चल रही है।

मंत्रालय द्वारा जारी अग्रिम खाद्यान्न उत्पादन अनुमान के अनुसार, खरीफ सीजन 2023-24 में मक्के का उत्पादन 22.48 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 23.6 मिलियन टन से कम है। दालों में, तुअर का उत्पादन इस वर्ष पिछले वर्ष के 3.31 मिलियन टन के मुकाबले थोड़ा अधिक 3.42 मिलियन टन होने की उम्मीद है। मूंग का उत्पादन 1.40 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 1.71 मिलियन टन से कम है।

तिलहन उत्पादन 26.15 मिलियन टन से घटकर 21.53 मिलियन टन होने के आसार हैं। मूंगफली और सोयाबीन का

उत्पादन क्रमशः 7.82 मिलियन टन और 11.52 मिलियन टन होने की संभावना है।

नकदी फसलों में गन्ने का उत्पादन पिछले साल के 490.53 मिलियन टन से घटकर 434.7 मिलियन टन होने की उम्मीद है। कपास का उत्पादन भी 33.6 मिलियन गांठ से घटकर 31.65 मिलियन गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) और जूट का उत्पादन 9.39 मिलियन गांठ से घटकर 9.19 मिलियन गांठ (प्रत्येक 180 किलोग्राम) होने की उम्मीद है।

खाद्यान्न का कुल उत्पादन 148.56 मिलियन टन होने की उम्मीद

खरीफ सीजन 2023 के दौरान खाद्यान्न का कुल उत्पादन 148.56 मिलियन टन होने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 155.7 मिलियन टन से कम है। मंत्रालय ने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2023-24 (खरीफ) के लिए यह पहला उत्पादन मूल्यांकन काफी हद तक पिछले तीन वर्षों की औसत उपज पर आधारित है और वास्तविक फसल काटने के प्रयोगों के आधार पर उपज अनुमान प्राप्त होने के बाद बदलाव हो सकता है।

खुले बाजार से 200 टन तक गेहूं खरीद सकेंगे थोक व्यापारी, देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने एक नवंबर से केंद्रीय पूल से दिए जाने वाले गेहूं के लिए खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत ई-नीलामी में बोली लगाने की मात्रा बढ़ाकर 200 टन कर दी। फिलहाल ओएमएसएस के तहत यह मात्रा 100 टन है। गेहूं और उसके आटे की कीमतों को अधिक स्थिर करने के लिए यह कदम उठाया गया है। बयान में कहा गया है कि देश में हर ई-नीलामी में पेश की जाने वाली कुल मात्रा भी दो लाख टन से बढ़ाकर तीन लाख टन कर दी गई है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) इन वस्तुओं की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए साप्ताहिक ई-नीलामी के जरिये 28 जून से ओएमएसएस के तहत आटा मिलर्स और छोटे व्यापारियों जैसे थोक खरीदारों को केंद्रीय पूल से गेहूं व चावल बेच रही है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 2.36 अरब डॉलर घटकर 583.53 अरब डॉलर रह गया।विदेशी मुद्रा संपत्ति 4.15 अरब डॉलर घटकर 515.2 अरब डॉलर रह गई।हालांकि, सोने के भंडार में 1.85 अरब डॉलर की वृद्धि रही। मारुति सुजुकी इंडिया का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 80.3 फीसदी बढ़कर 3,716.5 करोड़ रुपये पहुंच गया।शुद्ध बिक्री 24.5 फीसदी बढ़कर 35,535.1 करोड़ पहुंच गई।इस दौरान कंपनी ने 5.52 लाख से ज्यादा वाहन बेचे। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 25 फीसदी बढ़कर 625 करोड़ रुपये पहुंच गया।इस अवधि में बैंक का सकल एनपीए अनुपात 8.53 फीसदी से घटकर 4.74 फीसदी रह गया।

प्याज की कीमतों में 57 फीसदी का इजाफा, रियायती दरों पर बेचकर केंद्र सरकार देगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। हाल में टमाटर की कीमतों में बेतहाशा तेजी के बाद अब प्याज भी लोगों को सताने लगी है। एक साल में प्याज की खुदरा कीमत 57 फीसदी बढ़कर 47 रुपये प्रति किलो पहुंच गईहै।कीमतों में तेजी के बाद केंद्र ने ग्राहकों को राहत देने के लिए बफर स्टॉक से रियायती दर पर ज्यादा प्याज बेचने का फैसला लिया है। सरकार फिलहाल 25 रुपये किलो प्याज बेच रही है। पिछले साल इस समय प्याज के दाम 30 रुपये किलो थे, जो अब 50 रुपये के करीब पहुंच गए हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि हम अगस्त के मध्य से बफर से प्याज को छोड़ रहे हैं। कीमतों में और वृद्धि को रोकने के लिए हम खुदरा बाजार में ज्यादा प्याज बेच रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन राज्यों में कीमतों में तेज वृद्धि हो रही है, वहां थोक और खुदरा दोनों बाजारों में बफर स्टॉक से प्याज भेजा जा रहा है। अगस्त के मध्य से अब तक 22 राज्यों में विभिन्न स्थानों पर लगभग 1.7 लाख टन प्याज बफर स्टॉक से भेजा गया है। सचिव ने कहा, मौसम संबंधी कारणों से खरीफ प्याज की बुआई में देरी हुई है। इससे फसल की आवक में भी देरी हुई है। खरीफ प्याज की आवक अब तक शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई है। रबी सीजन की प्याज का भंडार खत्म होने से आपूर्ति कम हो रही है, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने चालू वर्ष के लिए बफर प्याज स्टॉक को दोगुना कर दिया है। इससे घरेलू उपलब्धता में सुधार होगा और आने वाले दिनों में कीमतों पर अंकुश लगेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शुद्ध लाभ बढ़ा, सितंबर की दूसरी तिमाही में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सितंबर के दूसरे तिमाही में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जिसके तहत 17,394 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया गया। कंपनी ने मुताबिक, तेल और गैस कारोबार में सुधार, फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र में वृद्धि होने से मुनाफा बढ़ा। कंपनी के चेयरमैन एवं एमडी मुकेश अंबानी ने कहा, ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता के बावजूद तेल से गैस क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई। सभी व्यावसायिक क्षेत्रों के मजबूत परिचालन और वित्तीय योगदान से रिलायंस को तिमाही में मजबूत हासिल करने में मदद मिली है। रिलायंस रिटेल को 2,790 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जो 21 फीसदी अधिक है। कंपनी का राजस्व 19 फीसदी बढ़कर 68,937 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई-सितंबर में रिलायंस रिटेल ने अपने बिक्री नेटवर्क में 471 नए स्टोर जोड़े। जिससे तिमाही के अंत में स्टोर की कुल संख्या 18,650 हो गई। आरआईएल के आय विवरण के मुताबिक, इन वृद्धि के ये प्रमुख कारण हैं।

जियो का लाभ 12 फीसदी बढ़ा

रिलायंस जियो का मुनाफा सितंबर के दूसरे तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 5,297 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने तिमाही में 1.11 करोड़ नए ग्राहक जोड़े और प्रति ग्राहक कमाई 181 रुपये से ज्यादा रही। सितंबर तिमाही के दौरान रिलायंस रिटेल ने वैश्विक प्रमुख निवेशकों से 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के मूल्यांकन पर 15,314 करोड़ रुपये जुटाए। आरआरवीएल के कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, यह प्रदर्शन हमारे ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण का एक सबूत है। त्योहारी सीजन में नए उत्साह के साथ अपने ग्राहकों की सेवा के लिए तैयार हैं।

विदेशों में जमकर हो रही आम की मांग, 19 प्रतिशत बढ़ गया भारत से निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के आम की मिठास दुनियाभर में बढ़ती जा रही है। वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल से अगस्त महीने के दौरान भारत से विदेशों में निर्यात किए जाने वाले आम में 19 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। इस अवधि के दौरान भारत ने कुल 47.98 मिलियन डॉलर का आम निर्यात किया है। जबकि 2022-23 के इसी अवधि के दौरान भारत ने कुल 40.33 मिलियन डॉलर का आम निर्यात किया था। वाणिज्य मंत्रालय ने भारत से आम के निर्यात किए जाने वाले आम को लेकर डेटा जारी किया है। मंत्रालय ने बताया कि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर एपीईडीए ने अप्रैल से अगस्त 2023 के दौरान कुल 27,330 टन आम का एक्सपोर्ट किया है, जो एक साल पहले की अवधि में 22,963.78 टन था। इन पांच महीनों में सबसे ज्यादा आम का निर्यात अमेरिका को किया गया है। अमेरिका को कुल 2043.60 टन आम का निर्यात किया गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा जापान को 43 टन, दक्षिण अफ्रीका को 4.44 टन, ऑस्ट्रेलिया को 58.42 टन, न्यूजीलैंड को 111 टन आम का निर्यात किया गया। इसके अलावा ईरान, नाइजीरिया, चेक रिपब्लिक, मारीशस को निर्यात किया गया है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और एपीडा ने संयुक्त रूप से दक्षिण कोरिया के निरीक्षकों को वहां निर्यात के लिए आम के क्लीरेंस के लिए आमंत्रित किया।

500 करोड़ से अधिक का आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 34 प्रतिशत बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। आकलन वर्ष 2021-22 (वित्त वर्ष 2020-21) में 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल कुल आय के साथ 589 करदाताओं ने रिटर्न दाखिल किया। दूसरी ओर, लगभग 2.1 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन 2021-22 में रिटर्न दाखिल नहीं किया। आयकर विभाग की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है।

आकलन वर्ष 2021-22 में 500 करोड़ रुपये से अधिक का रिटर्न दाखिल करने वाली 441 इकाइयों की तुलना में यह संख्या लगभग 34 प्रतिशत बढ़ी है। आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 1.6 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन आकलन वर्ष 2020-21 के लिए रिटर्न दाखिल नहीं किया। इस दौरान करीब 6.7 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए।

प्रत्यक्ष करों में आय और निगम कर शामिल हैं, जिसमें 554 में से 589 कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल कुल आय का रिटर्न दाखिल किया है।

इससे पिछले वित्त वर्ष में ऐसी 413 कंपनियां थीं। इसके विपरीत, 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल आय दर्ज करने वाले व्यक्तियों की संख्या आकलन वर्ष 20-21 के 12 से घटकर आकलन वर्ष 2021-22 में सात हो गई। शेष 589 एचयूएफ, फर्म, व्यक्तियों के संघ और अन्य लोग थे। विभाग ने कहा कि ये आंकड़े 31 मार्च, 2023 तक ई-फाइलिंग रिटर्न से तैयार किए गए हैं।

कर विशेषज्ञों ने रिटर्न और आय में वृद्धि के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि, कंपनियों के बढ़ते मुनाफे, उच्च घरेलू आय और कर अधिकारियों द्वारा बड़े आंकड़ों और प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग को जिम्मेदार ठहराया है।

तकनीकी उपयोग से प्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि को बढ़ावा मिलता है इसके दो या तीन प्रमुख कारण हैं। एक यह है कि कॉर्पोरेट मुनाफा मजबूत रहा है और वे पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं। ध्रुव एडवाइजर्स के मुख्य कार्याधिकारी दिनेश कनबार ने कहा, 10 लाख रुपये की आय वाले परिवारों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के अधिक औपचारिक होने के कारण प्रत्यक्ष कर संग्रह भी बढ़ा है और कर विभाग बड़े आंकड़ों सहित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहा है। हर लेनदेन पर कर लगाया जाता है और अब विदेश यात्रा के लिए भी स्रोत पर कर संग्रह होता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के पूर्व चेयरमैन आर प्रसाद ने इस सुधार का श्रेय कंपनियों के मुनाफे को दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों में स्रोत पर कर कटौती का हिस्सा लगभग 45 प्रतिशत है। कर विभाग ने प्राप्तियों को बढ़ावा देने और खामियों को दूर करने के लिए कई उपाय किए हैं। जीएसटी डेटा के इस्तेमाल से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी नंबरों का मिलान करने में मदद मिली है। नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न में 2013-14 और 2021-22 के बीच 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आंकड़ों से पता चलता है कि व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल रिटर्न आकलन वर्ष 2013-14 के 3.4 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में 6.4 करोड़ हो गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान भी आकलन वर्ष 2023-24 के लिए अब तक 7.4 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं, जिनमें 53 लाख नए करदाता शामिल हैं।

एक बार फिर 4 प्रतिशत बढ़ गया डीए

नईदिल्ली, एजेंसी। दिवाली से पहले राज्यों ने भी अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ता (डीए) में इजाफे की तैयारी कर ली है। कई राज्य ऐलान भी करने लगे हैं। इसी कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की है। कितना हो गया भत्ता- मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए 42 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने भी दिवाली से पहले डीए में चार फीसदी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को एक जुलाई, 2023 से बढ़ा हुआ डीए मिलेगा। इस फैसले से हरियाणा में लगभग 3.5 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

विस्ट्रॉन संग डील, टाटा बनाएगी देसी आईफोन, दुनियाभर में होगी बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप भारत का पहला आईफोन मैन्युफैक्चरर बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी विस्ट्रॉन के बोर्ड ने टाटा ग्रुप को अपनी भारतीय यूनिट बेचने की मंजूरी दी है। विस्ट्रॉन की यूनिट बेंगलुरु के पास है। विस्ट्रॉन ने एक बयान में कहा कि सौदे की कीमत लगभग 12.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इस मंजूरी के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ढाई साल के भीतर आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो जाएगी।

विस्ट्रॉन कॉर्प के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने शुक्रवार को बैठक की और अपनी सहायक कंपनियों एसएमएस इन्फोकॉम (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड और विस्ट्रॉन हांगकांग लिमिटेड को टाटा

इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में सौ प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी। दोनों पक्षों के संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद यह सौदा आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ेगा। बयान में कहा गया, सौदा पूरा होने के बाद, विस्ट्रॉन आवश्यक घोषणाएं करेगी और शेयर बाजारों को जानकारी देगी।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने टाटा टीम को विस्ट्रॉन का संचालन संभालने के लिए बधाई देते हुए कहा, टाटा समूह अब भारत से घरेलू और ग्लोबल मार्केट के लिए आईफोन बनाना शुरू करेगा। चंद्रशेखर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारतीय कंपनियों के साथ भारत से ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने की दिशा में यह ऐपल के लिए बहुत अच्छा कदम है। उन्होंने कहा कि आईटी मंत्रालय पूरी तरह ग्लोबल लेवल की भारतीय इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों के समर्थन में खड़ा है।

एक साल से चल रही थी बातचीत

टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन के बीच इस डील के लिए पिछले एक साल से बातचीत चल रही थी। विस्ट्रॉन का यह प्लांट आईफोन-14 मॉडल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। वर्तमान में इस प्लांट में 10,000 से ज्यादा वर्कर्स काम करते हैं। विस्ट्रॉन का भारतीय प्लांट अपनी 8 प्रोडक्शन लाइनों में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। टाटा के अधिग्रहण के बाद विस्ट्रॉन पूरी तरह से भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा, क्योंकि यह भारत में ऐपल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करने वाला कंपनी का एकमात्र प्लांट है। ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन ने 2008 में इंडियन मार्केट में एंट्री की थी, तब कंपनी कई डिवाइसेस के लिए रिपेयर फैसिलिटी प्रोवाइड कराती थी। 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशंस को एक्सपेंड किया और ऐपल के लिए आईफोन का प्रॉडक्शन शुरू किया था। पिछले साल कैलिफोर्निया बेस्ड कंपनी ऐपल ने चीन और अमरीका के बीच विवाद के कारण अपने ग्लोबल प्रॉडक्शन का लगभग 25 प्रतिशत भारत में शिफ्ट करने के प्लान की घोषणा की थी। ऐपल प्रॉडक्ट्स को असेंबल करने वाली तीन ताइवानी फर्मों में से सिर्फ विस्ट्रॉन भारत छोड़ रही है। फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन ने भारत में अपनी प्रोडक्शन लाइनें बढ़ा दी हैं

एनपीएस से बाहर निकलने के नियमों में किया गया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कहा है कि निकासी या योजना से बाहर निकलने के दौरान अंशधारक के बैंक खातों में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) कोष का समय पर जमा करना सुनिश्चित करने के लिए अब तत्काल बैंक खाते का सत्यापन कराना अनिवार्य है। यह बैंक अकाउंट वेरिफिकेशन पेनी-ड्रॉप मेथड के जरिए होगा। पीएफआरडीए के 25 अक्टूबर, 2023 के परिपत्र के अनुसार, निकास/निकासी अनुरोधों को संसाधित करने और ग्राहक बैंक खाते के विवरण को अपडेट करने के लिए नाम मिलान के साथ सफल पेनी-ड्रॉप सत्यापन आवश्यक है। यदि सीआरए पेनी ड्रॉप की पुष्टि करने में असमर्थ है, तो पेंशन नियामक ने कहा कि ग्राहक के बैंक खाते की जानकारी में निकास/निकासी या परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि पेनी ड्रॉप सत्यापन विफल रहता है, तो कारण की परवाह किए बिना, सीआरए उचित जांच-पड़ताल प्रक्रिया का पालन करते हुए ग्राहक के बैंक खाते की जानकारी में संशोधन करने के लिए संबंधित नोडल कार्यालय / मध्यस्थ के साथ इस मुद्दे को उठाएगा। सीआरए मोबाइल और ईमेल के माध्यम से पेनी ड्रॉप विफलता के बारे में ग्राहक को सूचित करेगा, और उन्हें नोडल अधिकारी या पीओपी से संपर्क करने की सलाह देगा।

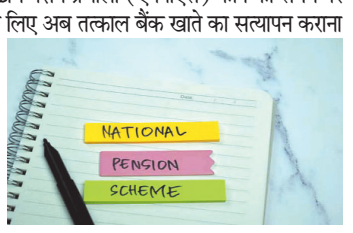

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा, दुर्गम इलाकों में भी आसान होगी नेटवर्क कनेक्टिविटी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि वनवेब उपग्रह संचार सेवा अगले महीने से देश के सभी हिस्सों से जुड़ने के लिए तैयार है। इससे दूरदराज और दुर्गम इलाकों में भी नेटवर्क कनेक्टिविटी बेहद आसान हो जाएगी। 4जी जैसे नेटवर्क पर भी इंटरनेट स्पीड तेज हो जाएगी। मित्तल ने शुक्रवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस-2023 के उद्घाटन पर कहा, 5जी सेवाएं पिछले साल शुरू की गई थीं। एयरटेल ने अब तक 20,000 गांवों के साथ 5,000 कस्बों और शहरों में इसका विस्तार कर पूरे देश में पहुंच बना ली है। मार्च, 2024 अंत तक देश के हर गांव में 5जी सेवा की पहुंच हो जाएगी।

मित्तल ने कहा कि यूनिवर्सल सर्विसेज ऑब्लिगेशन फंड के जरिये एयरटेल ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों को जोड़ रहा है। अब देश के सभी हिस्सों को जोड़ने के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी उपलब्ध है। वनवेब का यूटेलसैट के साथ विलय हो गया है। यूटेलसैट वनवेब के रूप में काम करेगी। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत मुकदमेबाजी व 2जी घोटाले के

साये से बाहर निकलकर दूरसंचार प्रौद्योगिकी निर्माता और निर्यातक के रूप में उभर रहा है। दुनिया आज भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि और नेतृत्व से प्रेरित होकर दूरसंचार क्षेत्र ने संपर्क, सामर्थ्य एवं मानकों पर मील के कई पत्थर हासिल किए है। वैष्णव ने 5जी सेवाओं के तेजी से शुरू होने व देश के स्पष्ट 6जी दृष्टिकोण का हवाला देते हुए कहा कि दूरसंचार, डिजिटल का मार्ग प्रशस्त करता है। भारत में 10 साल पहले 98 फीसदी मोबाइल फोन आयात होते थे। आज देश में 98 फीसदी मेक इन इंडिया मोबाइल का इस्तेमाल हो रहा है। भारत ने पिछले साल 90,000 करोड से ज्यादा के मोबाइल फोन निर्यात किए थे। आज भारत में बने दूरसंचार उपकरण 70 से ज्यादा देशों में निर्यात हो रहे हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सबसे सस्ती डाटा सेवाएं हैं। देश में 114 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर हैं।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, जियो ने सबसे तेजी से 5जी सेवाओं का विस्तार किया। हर 10 सेकंड में एक 5जी सेल स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व ने भारत और भारतीयों को एक साथ लाकर पूरे देश को प्रेरित किया है। हम आपसे वादा करते हैं कि प्रौद्योगिकी की शक्ति के जरिये एकता की एक डिजिटल प्रतिमा बनाएंगे। अंबानी ने कहा, हम दुनिया में सबसे तेज 5जी इंटरनेट स्पीड देने वालों में हैं। जियो ने सभी 22 सर्किल में 10 लाख से अधिक 5जी सेल स्थापित किए हैं। प्रौद्योगिकी व संपर्क की शक्ति से हम भारत को सबसे समृद्ध, उन्नत व सबसे समावेशी बनाएंगे।

आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) आने वाली तिमाहियों में 5जी नेटवर्क शुरू करने और 4जी सेवाओं के विस्तार पर महत्वपूर्ण निवेश करेगी। इसके अलावा, कंपनी अहम एवं उभरते क्षेत्रों में मजबूत आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल तंत्र अभूतपूर्व वृद्धि की ओर है। यह प्रयास भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों के लिए हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर दोनों डिजाइन तैयार करने में सक्षम बनाएगा।

भारत में आईफोन का निर्माण अब टाटा समूह करेगा। टाटा ने देश में आईफोन बनाने वाली कंपनी विस्ट्रॉन के बंगलूरू प्लांट को खरीदने के लिए करीब 12.5 करोड़ डॉलर (1,040 करोड़ रुपये) में सौदा किया है। इसके साथ ही टाटा भारत का पहला आईफोन निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। विस्ट्रॉन कॉर्प के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को सहायक कंपनियों एसएमएस इन्फोकॉम (सिंगापुर) पीटीई लि. व विस्ट्रॉन हांगकांग लि. को टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि. (टीईपीएल) के साथ विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्रा. लि. में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी को मंजूरी दी।

मारुति सुजुकी ने कर दिया धमाका, नेट प्रॉफिट में 80 प्रतिशत की जोरदार उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में धमाकेदार नतीजे पेश किए हैं। कंपनी को अगस्त-अक्टूबर तिमाही का नेट प्रॉफिट 80.3 प्रतिशत उछाल के साथ 3,716.5 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने एक बयान में बताया कि उसे यह मुनाफा बेहतर बिक्री, जिंस की कीमतों में नरमी, लागत घटाने की कोशिशों और ऊंची नॉन-ऑपरेशनल इनकम के चलते हुआ। एमएसआई को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 2,061.5 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में रजिस्टर्ड शुद्ध बिक्री 35,535.1 करोड़ रुपए रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 28,543.50 करोड़ रुपए रही थी। एमएसआई ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 5,52,055 व्हीकल्स की बिक्री की। इनमें से 4,82,731 व्हीकल्स घरेलू बाजार में जबकि बाकी 69,324 कारों का एक्सपोर्ट किया।

कंपनी ने सितंबर, साल 2022 में 5,17,395 गाड़ियां बेची थीं। मारुति सुजुकी ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसकी बिक्री संख्या, शुद्ध बिक्री और शुद्ध लाभ अब तक किसी भी तिमाही के मुकाबले अधिक रहा। मारुति सुजुकी के मुताबिक, वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के दौरान, इसके सामान, कर्मचारी, मूल्यह्रास और अन्य खर्च पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही की तुलना में कम हो गए। कमोडिटी की कीमतों में नरमी, लागत में कमी के उपाय, बेहतर रिकवरी और दूसरे खर्चों में कमी के चलते मार्जिन बेहतर हुआ। मारुति सुजुकी का शेयर 10,459.95 रुपए पर खुलने के बाद 10,770 रुपए तक पहुंच गया। बाद में शेयर 10,758 रुपए की रेंज में पहुंच गया।

करो या मरो मैच में श्रीलंका को अफगानिस्तान से रहना होगा सतर्क

पुणे (एजेंसी)। लगातार दो जीत से उत्साहित श्रीलंका को वनडे विश्व कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखने के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। श्रीलंका और अफगानिस्तान ने अभी तक पांच मैच में दो-दो जीत दर्ज किए हैं और वह सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। इसके लिए हालांकि उन्हें अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और अन्य मैच के परिणाम अपने अनुकूल रहने के लिए भी दुआ करनी होगी।

इस मैच में हालांकि एक टीम को ही जीत मिलेगी और ऐसे में दूसरी टीम की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। श्रीलंका ने पहले तीन मैच में पराजय झेलने के बाद अगले दो मैच में जीत दर्ज करके अपनी उम्मीद जगाई है लेकिन वह अगर अफगानिस्तान को कम करके आंकते हैं तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल होगी। अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराकर अपनी क्षमता का अच्छा परिचय दिया है और वह अब श्रीलंका के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगा।

श्रीलंका को इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में लाहिरू कुमारा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और मजबूत क्षेत्ररक्षण के कारण जीत मिली। अनुभवी ऑल राउंडर एंजेलो मैथ्यूज के जुड़ने से टीम को मजबूती मिली है। श्रीलंका को हालांकि अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि कुमारा चोटिल होने के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह दुशमंत चमीरा को टीम में शामिल किया गया है।

कुमारा के बाहर होने से अन्य गेंदबाजों की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। दिलशान मदुशंका और कुसान राजिथा ने प्रतियोगिता में अब तक 11 और 7 विकेट लिए हैं और श्रीलंका को अगर अपनी जीत का सिलसिला जारी

रखना है तो उन्हें और स्पिनर महेश तीक्षणा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी में पथुम निसांका और सदीरा समरविक्रमा इस साल अपने दो सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाजों के रूप में उभरे हैं। टीम को इन दोनों के अलावा कसान कुसल मेंडिस से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

जहां तक अफगानिस्तान की बात है तो उसकी तरफ से अभी तक रहमनुल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक 224 रन बनाए हैं लेकिन इब्राहिम जादरान, हशमतुल्लाह शाहिदी, रहमत शाह ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है और वे श्रीलंका के खिलाफ आत्मविश्वास बनाए रखना चाहेंगे। गेंदबाजी में अफगानिस्तान का दारोमदार तेज गेंदबाज नवीन उल हक तथा राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान की स्पिन तिकड़ी पर टिका रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका = कुसल मेंडिस (कप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महेश तीक्षणा, डुनिथ वेलालेज, कासुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने

अफगानिस्तान = हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी , अब्दुल रहमान और नवीन उल हक।

पैरा एशियन गेम्स - शतरंज में भारत नें रचा इतिहास , 2 स्वर्ण समेत कुल 8 पदक जीते

हांगझोउ (एजेंसी)। पैरा एशियन गेम्स भारतीय शतरंज टीम नें देश को एक साथ कई पदक देकर गौरान्वित किया है , शतरंज मे भारत नें पुरुष और महिला टीम और व्यक्तिगत वर्ग में 2 स्वर्ण , एक रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर कुल मिलाकर 8 पदक हासिल किए है ।

बी1 व्यक्तिगत रैपिड केटेगरी में भारत नें बेहतरीन खेल दिखाते हुए तीनों पदक अपने नाम किए । दर्पण इनानी नें शानदार खेल दिखाते हुए 7 राउंड में 5 जीत और 2 ड्रॉ खेलते हुए 6 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता तो 5.5 अंक बनाकर भारत के सौन्दर्य प्रधान और 5 अंक बनाकर भारत के अश्विन माकवाना कांस्य पदक जीतने में कामयाब रहे । इन तीनों के ही शानदार प्रदर्शन के चलते टीम नें इसी वर्ग का स्वर्ण पदक भी हासिल कर लिया टीम श्रेणी में ईरान नें रजत तो इन्डोनेशिया नें कांस्य पदक हासिल किया ।

पुरुषो की व्यक्तिगत रैपिड बी2बी3 श्रेणी में किशन गांगुली नें 7 राउंड में 5 अंक बनाकर कांस्य पदक हासिल किया और इसी वर्ग मे भारत के आर्यन जोशी और सोमेन्दर बीएल के साथ मिलकर तीनों खिलाड़ियों नें भारत के लिए टीम श्रेणी का कांस्य पदक हासिल किया । इस वर्ग मे फिलीपींस नें स्वर्ण और इन्डोनेशिया नें रजत पदक हासिल किया ।

महिलाओं के व्यक्तिगत बी 1 क्लासिकल श्रेणी में हिमांशी राठी नें 5 अंक बनाकर कांस्य पदक हासिल किया जबकि महिला रैपिड बी1 श्रेणी में महिला टीम नें हिमांशी 4.5 अंक , वृथी जैन 3 अंक और संस्कृति विलास 3 अंक नें मिलकर टीम का कांस्य पदक दिलाया । इस वर्ग में ईरान नें स्वर्ण और इन्डोनेशिया नें रजत पदक हासिल किया ।

भारतीय टीम के इस प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री नें सभी खिलाड़ियों को शुभकमनाये दी ।

अब विश्व पटल पर खेलों में भी छाया भारत : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अब खेलों में भी देश दुनिया भर में अपना परचम लहरा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल में हुई खेल आयोजनों में भारतीय दल ने अपने शानदार प्रदर्शन से रिकार्ड बनाते हुए सभी को प्रभावित किया है। मोदी ने एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों के साथ ही विशेष ओलंपिक विश्व खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। मोदी ने कहा कि विजेता खिलाड़ियों ने बहुत ही साधारण परिवार से आने के बाद भी अपनी गरीबी को सफलता में बाधक बनने नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''इस समय देश खेलों में भी विश्व पटल पर छाया हुआ है। पिछले दिनों एशियाई खेलों के बाद पैरा एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अहम सफलता हासिल की है। इन खेलों में भारत ने 111 पदक जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया है। साथ ही कहा कि मैं पैरा एशियाई खेलों में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'' उन्होंने 'स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स' में भारतीय दल के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इससे बौद्धिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों की अद्भुत क्षमता का अंदाजा होता है।

मोदी ने कहा, ''रोलर स्केटिंग हो या बीच वॉलीबॉल या फुटबॉल, भारतीय खिलाड़ियों ने सभी में पदक जीते। इन पदक विजेताओं की जीवन यात्रा भी बहुत प्रेरक रही है।'' ये सभी बहुत ही साधारण परिवार से निकले पर इन्होंने कभी भी गरीबी को अपनी सफलता के रास्ते में नहीं आने दिया। मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता अन्य बच्चों और परिवारों को भी भी इन क्षेत्रों में आने के लिए प्रेरित करेगी।

'उन्होंने टीम के बारे में नहीं सोचा...'

गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा को बताया स्वार्थी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 87 रनों की पारी खेली। वहीं भारतीय पारी में कप्तान एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे जिसने अर्धशतक पूरा किया। लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान गौतम गंभीर को उनकी ये पारी पसंद नहीं आई। वहीं गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा को इस पारी के लिए स्वार्थी बताया है। गंभीर ने कहा कि, उन्होंने खराब शॉट खेला और 87 के स्कोर तक पहुंचने के लिए की गई सारी मेहनत बर्बाद कर दी। उन्होंने टीम के बारे में नहीं सोचा। अगर वह जसप्रीत बुमराह के साथ बल्लेबाजी कर रहे होते तो मैं कुछ नहीं कहता लेकिन सूर्यकुमार यादव क्रीज पर थे, जो एक उचित बल्लेबाज हैं। वहीं गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि रोहित शर्मा आंकड़ों के प्रति जुनूनी नहीं हैं। रोहित शर्मा के अब तक 40-50 शतक हो गए होंगे, लेकिन वह शकतों के प्रति जुनूनी नहीं है वह निस्वार्थ हैं। गौरतलब है कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों ही बल्लेबाजों ने इस वर्ल्ड कप में कमाल की फॉर्म दिखाई है। भारत के दोनों बल्लेबाज वर्ल्ड कप 2023 में शतक लगा चुके हैं। वहीं रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ इस पारी में 101 गेंदों में 87 रन की पारी खेली।

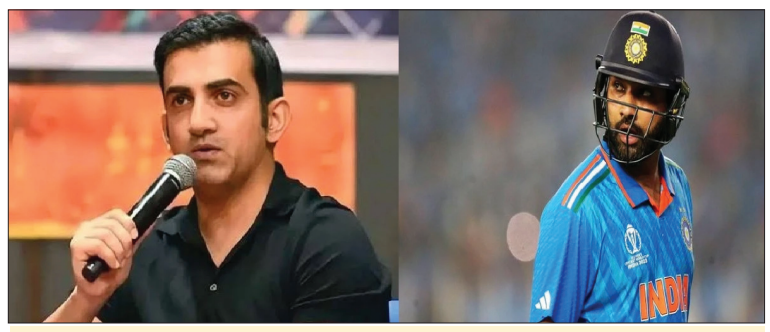

विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर के इस शर्मनाक रिकॉर्ड की बराबरी की, इंग्लैंड के खिलाफ हुए डक आउट

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ फैंस को निराश किया है। दरअसल, कोहली डक आउट हो गए, इस दौरान उन्होंने 9 गेंदें खेलीं। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, पहले विकेट के रूप में शुभमन गिल का विकेट गिरा, उसके बाद विराट कोहली आउट हुए जबकि तीसरे विकेट के रूप में श्रेयस अय्यर भी पवेलियन लौटे। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ 9 गेंदों का सामना किया लेकिन वो अपना खाता नहीं खोल पाए। रन बनाने से पहले कोहली चाहते थे कि वह क्रीज पर कुछ समय बिताएं और फिर चार्ज करें, लेकिन इंग्लिश गेंदबाज पहले पॉवरप्ले में पिच की नमी का पूरा फायदा उठाते हुए नजर आए और कोहली डेविड विली की गेंद पर अपना कैच मिड ऑफ पर खड़े बेन स्टोक्स को थमा बैठे। वनडे वर्ल्ड कप में ये पहला मौका था जब विराट कोहली डक पर आउट हो गए।

एसबीआई के ब्रांड एम्बैसडर बने धोनी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि एसबीआई के ब्रांड एम्बैसडर के तौर पर धोनी विभिन्न विपणन और प्रचार अभियानों में अहम भूमिका निभाएंगे। एसबीआई के अनुसार, कठिन हालातों में संयम बनाए रखने के साथ ही स्पष्ट सोच और दबाव में तत्काल फैसले लेने की उनकी क्षमता को सभी जानते हैं। इसी खूबी के कारण धोनी को देशभर में अपने ग्राहकों और हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए एसबीआई एक आदर्श विकल्प मानती है। एसबीआई ने कहा कि यह सहयोग विश्वसनीयता और नेतृत्व के मूल्यों को दिखाते हुए अपने ग्राहकों के साथ गहरे संबंध बनाने की बैंक की प्रतिबद्धता का भी एक प्रतीक है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, इस साझेदारी से हमारा लक्ष्य विश्वास, अखंडता और अटूट समर्पण के साथ राष्ट्र और अपने ग्राहकों की सेवा करने का है।

ऋषभ अगले साल अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली । विकेटकीपर ऋषभ पंत पिछले साल हुए सड़क हादसे के बाद से ही खेल से बाहर है। इसी कारण वह विश्वकप के लिए भी भारतीय टीम में शामिल नहीं है। वहीं अब उनके प्रशंसकों के लिए खुशी की बात है। ऋषभ घुटने की सर्जरी से उबर गये हैं और उन्होंने बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि वह अगले साल जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज से वापसी कर सकते हैं। टीम इंडिया में वापसी से पहले इस आक्रामक बल्लेबाज को घरेलू क्रिकेट खेलकर फिटनेस भी हासिल करनी होगी। ऋषभ पिछले कुछ महीनों से नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास कर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखे हुए है। ऋषभ ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था उसके बाद से ही वह घायल होने के कारण टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अभी इस क्रिकेटर की वापसी को लेकर कुछ भी कहा नहीं जा सकता है। ये सही है कि वह नेट्स पर बल्लेबाजी कर रहे हैं पर उन्हें मैच फिटनेस हासिल करने में अभी भी समय लगेगा। इसके लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट में वापस करते हुए अपना आत्मविश्वास वापस हासिल करना होगा। सब कुछ सही रहने पर वह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वर्ल्ड कप की टॉप 7 टीमें करेंगी क्वालिफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लीग स्टेज की समाप्ति के बाद पाकिस्तान समेत टॉप 7 टीमें 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वॉलिफाई करेंगी। बता दें कि, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान होगा।

दरअसल, ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वॉलिफिकेशन सिस्टम को आईसीसी बोर्ड ने 2021 में तब मंजूरी दी थी, जब 2024-31 के साइकिल के दौरान आठ टीमों वाले चैंपियंस ट्रॉफी की फिर से वापसी कराने का फैसला हुआ था।

ये अपडेट कुछ क्रिकेट बोर्ड के लिए हैरानी करने वाला है, इनमें वे दोनों बोर्ड भी शामिल हैं जिनकी टीमें भारत में वर्ल्ड कप खेल रही हैं और कुछ जो इस वनडे वर्ल्डकप में जगह बनाने से चूक गए थे। इन क्रिकेट बोर्ड का कहना है कि वे इस बात से अनभिज्ञ थे कि इस वर्ल्ड कप के जरिए 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की योग्यता दांव पर लगी है।

जिसका सीधा सीधा मतलब है कि, वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड जैसे पूर्ण सदस्य देशों को 2023 वनडे वर्ल्ड कप में जगह नहीं मिली थी। वहीं अब उन्हें 2025 चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का मौका तक नहीं मिलेगा।

ये अपडेट तब सामने आया जब बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर टिप्पणी की, जिससे संकेत मिला है कि उन्हें कम से कम पता था कि योग्यता दांव पर थी।

बीसीसीआई ने जम्मू कश्मीर के क्रिकेटर पर दो साल का प्रतिबंध लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जम्मू के रहने वाले युवा क्रिकेटर वंशज शर्मा पर अलग-अलग जन्म तिथियों के साथ कई जन्म प्रमाण पत्र जमा करने के लिए दो साल का प्रतिबंध लगाया है। शर्मा मूल रूप से जम्मू के बिश्नाह के रहने वाले हैं लेकिन वह बाद में बिहार चले गए थे और अभी वहां के राज्य संघ के तहत खेल रहे थे।

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के प्रमुख ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने कहा, ''वह वर्तमान में बिहार क्रिकेट संघ के साथ है। वह जेकेसीए के खिलाड़ी नहीं है।'' उन्होंने यहां जारी भी विज्ञप्ति में कहा,''वह पहले अंडर 19 खिलाड़ी के रूप में हमारे यहां पंजीकृत था। वह कभी जेकेसीए की तरफ से नहीं खेला। वह बाद में बिहार क्रिकेट संघ से जुड़ गया था और उसने अपनी जन्मतिथि के गलत प्रमाण पत्र दिए थे। बीसीसीआई ने उसे पकड़ लिया और कई जन्म प्रमाण पत्र देने के लिए उसे प्रतिबंधित कर दिया। '' विज्ञप्ति में कहा गया है कि शर्मा दो साल तक बीसीसीआई के किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकता। उस पर प्रतिबंध 27 अक्टूबर से लागू होगा।

अभी हर मैच पर ध्यान दे भारतीय टीम : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को अधिक आगे की न सोचकर अभी प्रत्येक मैच पर ध्यान देना चाहिये। भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में इस बार अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती पांच मैच जीते हैं जिसके बाद से ही उसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं गावस्कर ने कहा कि टीम केवल अपने खेल पर ध्यान दे और भविष्य को लेकर ज्यादा न सोचे। उन्होंने कहा, आप बस जीतना चाहते हैं। भारत को केवल अगले मैच पर ध्यान देना चाहिए और बस इतना ही। बहुत आगे की मत सोचो। यदि पीछा करना ही वह तरीका है जिससे आप जीतना चाहते हैं, तो ऐसा करते रहें। अभी से नॉकआउट चरण के बारे में अधिक चिंता मत करो। भविष्य अपना ख्याल खुद रखेगा। वहीं गावस्कर ने कहा कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अच्छी शुरुआत नहीं मिलने से ही इंग्लैंड का प्रदर्शन इस बार खराब रहा है। गावस्कर ने कहा, इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साथ ही कहा कि अगर आप इस विश्व कप में संघर्ष कर रही सभी टीमों पर नजर डालें तो उनमें से किसी को भी अच्छी शुरुआत नहीं मिली है। उन्होंने पहले 10 ओवरों में कुछ विकेट गंवा दिए। उन्हें अपने अन्य बल्लेबाजों के लिए बीच के ओवरों में आकर आक्रमण खेल खेलने के लिए मंच नहीं मिला।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफीका बनेगी भारत की राह में बाधा : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि इस बार भारत की विश्वकप जीत की राह में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सबसे बड़ी बाधा बनेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लगातार 4 मैच जीत कर एक बार फिर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। वह अंक तालिका में अब शीर्ष की 4 टीमों में आ गयी है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट में अच्छी वापसी की है और वह शानदार क्रिकेट खेल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत से भी उसका मनोबल बढ़ा है। वहीं गांगुली इंग्लैंड टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंग्लैंड इस तरह का प्रदर्शन करेगी पर यही क्रिकेट है। जहां तक भारत की बात है तो वह मजबूत टीम है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन अभी खिताब दूर की बात है। इससे पहले भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जीत दर्ज करनी होगी।

ऑलराउंडर बास डी लीडे ने की आईसीसी से अपील, कहा- 'नीदरलैंड्स को बड़े राष्ट्र का दर्जा दें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे ने अपील की कि विश्व कप में दो बड़े उलटफेर करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उन्हें 'बड़े राष्ट्र' का दर्जा देना चाहिए। नीदरलैंड वर्तमान विश्व कप में भाग लेने वाला एकमात्र एसोसिएट देश है। उसने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को 38 रन से हराकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। इसके बाद उसने शनिवार को यहां बांग्लादेश को 87 से पराजित करके साबित कर दिया कि दक्षिण अफ्रीका पर उसकी जीत महज संयोग नहीं थी।

डी लीडे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''हमारे लिए और नीदरलैंड क्रिकेट के लिए प्रत्येक जीत बड़ी जीत है। हम अपने देश के युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा,''हम आने वाले वर्षों में हमें एक संभावित बड़े राष्ट्र के रूप में देखने के लिए आईसीसी का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रयास करना चाहते हैं। इसलिए हमारे लिए प्रत्येक जीत काफी महत्वपूर्ण है।''

यह हालांकि स्पष्ट नहीं हो पाया कि डी लीडे अपने देश को टेस्ट दर्जा देने के लिए कह रहे थे या फिर उसको अधिक टूर्नामेंट में उतारने की मांग कर रहे थे। नीदरलैंड को अभी तीन मैच और खेलने हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। उसके 6 मैच में चार अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना के बारे में डी लीडे ने कहा,''यह अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा कि हम सेमीफाइनल में जगह बना सकते हैं या नहीं। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक मैचों में जीत दर्ज करना है।

हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में पहुंचना : एडवर्ड्स

कोलकाता। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत से बेहद उत्साहित हैं। एडवर्ड्स ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। डच टीम ने इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को उलटफेर का शिकार बनाया था। इस मैच में डच टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 229 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 42.2 ओवर में ही 142 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश टीम की यह लगातार 5वीं हार है। इससे उसके छह मैच में दो अंक हो गये हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। वहीं नीदरलैंड के छह मैच में दूसरी जीत से चार अंक हो गए हैं और उसने अपनी उम्मीद बनाये रखी हैं। एडवर्ड्स ने नीदरलैंड पर 87 रन से जीत के बाद कहा कि पिछले कुछ समय में हमें अपनी कड़ी मेहनत के परिणाम मिले हैं। हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही कहा था कि हम सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रयास करेंगे। अब भी हमारा यही लक्ष्य है। उन्होंने मैच के बारे में कहा कि मैंने अपने कुछ खिलाड़ियों से बात की थी और कहा था कि अगर हम 220 रन से अधिक का स्कोर बना देते हैं तो हमारे पास जीत का अवसर रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन हार से निराश नजर आये और उन्होंने कहा कि हमें नीदरलैंड को 170 रन के करीब रोकना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हमारा क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा। हम जिस स्थिति में थे उसे देखते हुए हमें उन्हें 160-170 के स्कोर पर रोकना चाहिए था।

पति की दीर्घायु और मंगल-कामना हेतु सुहागिन नारियों का यह महान पर्व है। करवा (जल पात्र) द्वारा कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अर्घ्य देकर पारण (उपवास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अर्घ्य देकर पारण उपवास के बाद का पहला भोजन) करने का विधान होने से इसका नाम करवा चौथ है।

सौभाग्य और स्नेह का सुंदर पर्व

करवा चौथ

करवा चौथ और करक चतुर्थी पर्याय है। चन्द्रोदय तक? निर्जल उपवास रखकर पुण्य संचय करना इस पर्व की विधि है। चन्द्र दर्शनोपरांत सास या परिवार में ज्येष्ठ श्रद्धेय नारी को बायना देकर सदा सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद लेना व्रत साफल्य की पहचान है। सुहागिन नारी का पर्व होने के नाते यथासंभव और यथाशक्ति न्यूनाधिक सोलह श्रृंगार से अलंकृत होकर सुहागिन अपने अंत×करण के उल्लास को प्रकट करती है। पति चाहे जैसा हो पर ?पत्नी इस पर्व को मनाएगी अवश्य। पत्नी का पति के प्रति यह समर्पण दूसरे किसी धर्म या संस्कृति में कहां? पुण्य प्राप्ति के लिए किसी पुण्यतिथि में उपवास करने या किसी
उपवास

क `
कर्मानुष्ठान द्वारा पुण्य-संचय करने के संकल्प को व्रत कहते हैं। व्रत और उपवास द्वारा शरीर को तपाना तप है। व्रत धारण कर, उपवास रखकर पति की मंगल कामना सुहागिन का तप है। तप द्वारा सिद्धि प्राप्त करना पुण्य का मार्ग है इसीलिए सुहागिन करवा चौथ का व्रत धारण कर उपवास रखती है।

ब्रह्म मुहूर्त से चन्द्रोदय तक जल-भोजन कुछ भी ग्रहण न करना करवा चौथ का मूल विधान है। वस्तुत- भारतीय पर्वों में विविधता का इन्द्रधनुषीय सौंदर्य है। इस पर्व के मनाने, व्रत रखने, उपवास करने में मायके से खाद्य पदार्थ भेजने, न भेजने आदि की रूढ़िवादी परंपराएं अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता के साथ प्रचलित हैं। बायना देने-लेने, करवे का आदान-प्रदान करने, बुजुर्ग महिला से आशीर्वाद लेने-देने की सारी मान्यताएं अलग-अलग क्षेत्रों, जातियों/वर्णों में भले ही भिन्न हों, परंतु सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है- पति का मंगल। पश्चिमी सभ्यता में निष्ठा रखने वाली सुहागिनों के लिए यह पर्व एक मार्गदर्शिका है। एक निर्देशिका है। वस्तुत- हिन्दू संस्कृति आदर्शों व श्रेष्ठताओं से परिपूर्ण एक ऐसी संस्कृति है? जिसमें पारलौकिकता व आध्यात्मिकता की महत्ता है। चूंकि हिन्दू संस्कृति में पति-पत्नी का संबंध 7 जन्मों का होता है इसीलिए व्रत-उपवास, पूजन-अर्चन इस जन्म-जन्मांतर के संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

करवा चौथ व्रत पालन के महत्व के बारे में कुछ इस प्रकार से अभिव्यक्ति दी गई है-

व्रतेन दीक्षामाप्नोति दीक्षायाप्नोति दक्षिणाम्।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते।

अर्थात व्रत से दीक्षा प्राप्त होती है। दीक्षा से दक्षिणा प्राप्त होती है। दक्षिणा से श्रद्धा प्राप्त होती है। श्रद्धा से सत्य की प्राप्ति होती है।।

वस्तुत- पति अपनी पत्नी की श्रद्धा व आस्था देखकर कुछ इस तरह से अभिभूत हो जाता है कि वह पत्नी व बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व निर्वाह के लिए कहीं अधिक संकल्पवान व निष्ठावान हो जाता है।

हर सुहागिन अन्न-जल का परित्याग कर चांद की छवि दर्पण में देखकर और फिर अपने पति का मुखड़ा देखकर ईश्वर से यही मनौती मांगती है कि दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे। कभी चांद तो कभी सूरज बनकर निकलता रहे।

हर भारतीय नारी अपनी सांस्कृतिक मान्यताओं, आदर्शों व परंपराओं पर गर्व करती है।

करवा चौथ पर हर सुहागिन का हृदय अपने पति के लिए लंबी उम्र की दुआ मांगने लगता है।

पूजन विधि

बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें -

शिवायै नमः से पार्वती का, नमः शिवाय से शिव का, षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, गणेशाय नमः से गणेश का तथा सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें।

पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

करवा चौथ - कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी।

शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्?य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्?य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है।

उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक

अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से %यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो% ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है।

सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है।

अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

रोचक और सरल
वास्तु मंत्र

* भवन निर्माण में दरवाजे और खिड़कियां सम संख्या में हों तथा सीढ़ियां विषम संख्या में हों।
* टॉयलेट और किचन एक पंक्ति (कतार) में या आमने-सामने होना दोषकारक है।
* घर में गणेशजी की एक से अधिक मूर्ति हो तो कोई फर्क नहीं, परंतु पूजा एक ही गणेशजी की हो।
* घर में गणपति की मूर्ति, रंगोली, स्वस्तिक या का चिह्न बुरी आत्माओं के प्रभाव को नियंत्रित करता है।
* घर के बाहर या अंदर आशीर्वाद मुद्रा में देवी-देवता की मूर्ति अथवा चित्र लगाएं। ध्यान रहे, उनका मुंह भवन के बाहर की तरफ हो।
* घर के ड्राइंगरूम में मोर, बंदर, शेर, गाय, मृग आदि के चित्र या मूर्ति रूप में किसी एक का जोड़ा रखें जिसका मुंह एक-दूसरे की तरफ हो तथा मुंह घर के अंदर हो, शुभ रहेगा।
* दक्षिण दिशा में घोड़ा (अश्व) रखना सर्वोत्तम है।
* असली स्फटिक बाल, श्रीयंत्र, पिरामिड या कटिंग बाल को आप कहीं भी रख सकते हैं। (श्रीयं?त्र को केवल घर के मंदिर में रखें।)
* धन-समृद्धि के लिए धन की पेटी (कैश बॉक्स) में ?तीन सिक्के रखें, जो भाग्य की अभिवृद्धि में सहायक होंगे।
* घोड़े की नाल पश्चिमी देशों तथा हमारे देश में भी बहुत भाग्यशाली और शुभ मानी जाती है। अपनी सुरक्षा और सौभाग्य के लिए इसे अपने घर के मुख्य द्वार के ऊपर चौखट के बीच में लगा सकते हैं।
* बीम के नीचे बिंदु चिप्स लगाकर बीम के दोष को दूर कर सकते हैं।
* संपत्ति तथा सफलता के लिए अपने बैठक कक्ष में पिरामिड को उत्तर-पूर्व में रखें।
* प्रसिद्धि के लिए घर के दक्षिण क्षेत्र में लाल रंग का उपयोग करें एवं उसे लाल रंग की वस्तुओं से सजाएं। इससे परिवार में रहने वाले लोगों को खून से संबंधित बीमारियों से निजात मिल सकती है, किंतु चि?कि?त्सीय भावना की उपेक्षा कष्टदायी हो सकती है।
* मुख्य द्वार पर कोई अवरोध (खंबा, कोना, पेड़) आदि हो तो उसके दोष निवारण हेतु बागुआ मिरर लगाएं।
* विवादों से संबंधित कागजात कभी भी आग्नेय दिशा में न रखें। ऐसे कागजात ईशान या वायव्य दिशा में रखें।
* पश्चिम-दक्षिण, उत्तर-पश्चिम तथा दक्षिण-पश्चिम दिशाओं को अन्य दिशाओं के मुकाबले ज्यादा से ज्यादा ढंका व भरा हुआ होना चाहिए तथा थोड़ा ऊंचा भी होना चाहिए।
* घर में कांटेदार पौधे, युद्ध के दृश्य, सूखे पेड़, जमीन, आंसू बहाते प्राणी, खूंखार जानवर आदि के चित्र न लगाएं।
* जिन लोगों का चूल्हा ईशान में हो और परिस्थितिजन्य हटाया नहीं जा सके, तो ऐसी विषम परिस्थिति में किचन में लाल बल्ब न जलाएं।
* बच्चों के कमरों में सुंदर प्राकृतिक दृश्य यथा समृद्ध हरे-भरे पहाड़, जल विहार तथा महापुरुषों के चित्र लगाएं। नाइट लैम्प के रूप में हरे या नीले बल्ब का प्रयोग सुखद रहेगा।
* उत्तम भाग्य तथा पारिवारिक समृद्धि के लिए सुंदर रंगीन पर्दे, दीवार व छतों पर हल्के और मन लुभावने रंगों का प्रयोग करें।
* कॉर्नर, बीम आदि की नकारात्मकता को समाप्त करने के लिए पेड़-पौधों, सीनरी व लाइट्स का प्रयोग पारिवारिक सुख-सौहार्द के लिए अनुकूलता प्रदान करेगा।
* व्यावसायिक कार्यालयों में दक्षिण दिशा में संस्थान के मालिक की फोटो लगाएं।
* पवन घंटियां घर में सौभाग्य बढ़ाने का अद्भुत स्रोत हैं। पवन घंटियां बैठक तथा घर में स्थापित मंदिर के दरवाजे पर लटकाने से शुभ्रता प्रदान करती है।
* मधुर संबंधों के लिए प्रसन्नचित मुद्रा में संयुक्त परिवार का फोटो लगाएं।
* घर में नमक मिले पानी से पोंछा लगाएं। यह घर में स्थित नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक होगा।
* पूर्वजों के चित्र उत्तर-पश्चिम में रखें, तो ज्यादा अच्?छा होगा।
* अलमारी या कपड़ों की अलमारी दक्षिण दिशा को छोड़कर किसी भी दिशा में खुलनी चाहिए। दक्षिण की ओर खुलने वाली अलमारी में बहुमूल्य सामान या महत्वपूर्ण कागजात नहीं रखना चाहिए।
* उत्तर-पूर्व में रसोईघर नहीं होना चाहिए।
* पिरामिड का उपयोग घर में कहीं भी नकारात्मक शक्ति को हटाने के लिए कर सकते हैं।

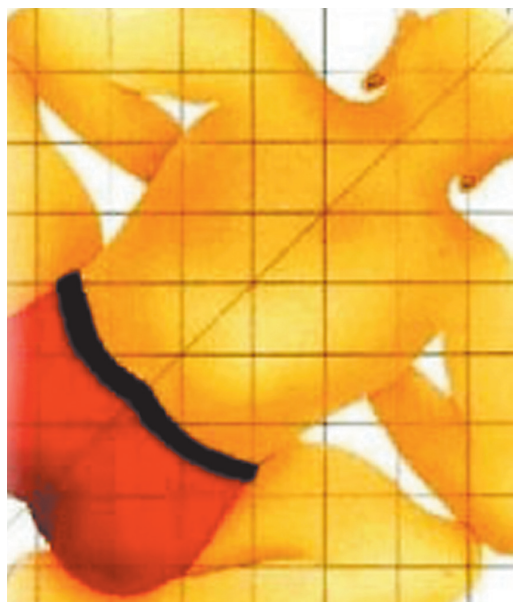

शिव का धाम कैलाश मानसरोवर

मानसरोवर वही पवित्र जगह है, जिसे शिव का धाम माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार मानसरोवर के पास स्थित कैलाश पर्वत पर शिव-शंभु का धाम है। यही वह पावन जगह है, जहाँ शिव-शंभु विराजते हैं।

कैलाश पर्वत, 22,028 फीट ऊँचा एक पत्थर का पिरामिड, जिस पर सालभर बर्फ की सफेद चादर लिपटी रहती है। हर साल कैलाश-मानसरोवर की यात्रा करने, शिव-शंभु की आराधना करने, हजारों साधु-संत, श्रद्धालु, दार्शनिक यहाँ एकत्रित होते हैं, जिससे इस स्थान की पवित्रता और महत्ता काफी बढ़ जाती है।

मान्यता है कि यह पर्वत स्वयंभू है। कैलाश-मानसरोवर उतना ही प्राचीन है, जितनी प्राचीन हमारी सृष्टि है। इस अलौकिक जगह पर प्रकाश तरंगों और ध्वनि तरंगों का समागम होता है, जो की प्रतिध्वनि करता है। इस पावन स्थल को भारतीय दर्शन के हृदय की उपमा दी जाती है, जिसमें भारतीय सभ्यता की झलक प्रतिबिंबित होती है। कैलाश पर्वत की तलछटी में कल्पवृक्ष लगा हुआ है। कैलाश पर्वत के दक्षिण भाग को नीलम, पूर्व भाग को क्रिस्टल, पश्चिम को रूबी और उत्तर को स्वर्ण रूप में माना जाता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह जगह कुबेर की नगरी है। यहीं से महाविष्णु के करकमलों से निकलकर गंगा कैलाश पर्वत की चोटी पर गिरती है, जहाँ प्रभु शिव उन्हें अपनी जटाओं में भर धरती में निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित करते हैं।

यह स्थान बौद्ध धर्मावलंबियों के सभी तीर्थ स्थानों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। कैलाश पर स्थित बुद्ध भगवान के अलौकिक रूप 'डेमचौक' बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए पूजनीय है। वह बुद्ध के इस रूप को 'धर्मपाल' की संज्ञा भी देते हैं। बौद्ध धर्मावलंबियों का मानना है कि इस स्थान पर आकर उन्हें निर्वाण की प्राप्ति होती है। वहीं जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ने भी यहीं निर्वाण लिया। कुछ लोगों का मानना यह भी है कि गुरु नानक ने भी यहाँ ध्यान किया था।

मानसरोवर झील से घिरा होना कैलाश पर्वत की धार्मिक महत्ता को और अधिक बढ़ाता है। प्राचीनकाल से विभिन्न धर्मों के लिए इस स्थान का विशेष महत्व है। इस स्थान से जुड़े विभिन्न मत और लोककथाएँ केवल एक ही सत्य को प्रदर्शित करती हैं, जो है सभी धर्मों की एकता।

मानसरोवर दर्शन - ऐसा माना जाता है कि महाराज मानधाता ने मानसरोवर झील की खोज की और कई वर्षों तक इसके किनारे तपस्या की थी, जो कि इन पर्वतों की तलहटी में स्थित है। बौद्ध धर्मावलंबियों का मानना है कि इसके केंद्र में एक वृक्ष है, जिसके फलों के चिकित्सकीय गुण सभी प्रकार के शारीरिक व मानसिक रोगों का उपचार करने में सक्षम हैं।

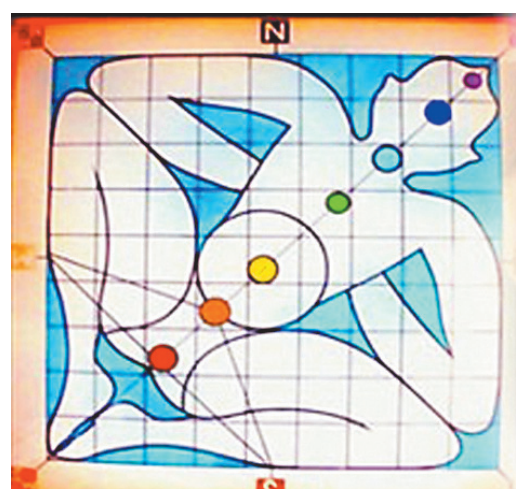

सामूहिक गोलीबारी करने वाले संदिग्ध ने की आत्महत्या

वाशिंगटन । अमेरिकी प्रांत मेन के लेविस्टन में 18 लोगों की हत्या के आरोपी व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूएस आर्मी रिजर्व के 40 वर्षीय सदस्य रॉबर्ट कार्ड पर आरोप था कि उसने बुधवार शाम एक रेस्तरां और बॉलिंग एली पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए। संदिग्ध स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 7:45 बजे मृत पाया गया। मेन डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के एक अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार की शाम (2345 जीएमटी) लिस्बन फॉल्स में एंड्रोस्कोगिन नदी के पास, लेविस्टन से लगभग 10 मील (16 किमी) दूर उसका शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि उसने खुद को गोली मारकर घायल कर लिया था। वहीं मेन प्रांत की पुलिस ने गुरुवार को कहा कि हत्या के आठ मामलों में कार्ड के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने संदिग्ध की मौत के मद्देनजर पड़ोसी समुदायों के लिए सचेत रहने के आदेश को रद्द कर दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने घातक गोलीबारी के बाद अपना समर्थन देने के लिए राज्य के अधिकारियों से बात की है और पीड़ितों के सम्मान में सोमवार तक राष्ट्रीय ध्वज आधे झुकाए रखने का आदेश दिया है। एक गैर-लाभकारी अनुसंधान समूह, गन वायलेंस आर्काइव के अनुसार, यह नरसंहार 2023 में अमेरिका में हुई 565वीं और साल की सबसे घातक गोलीबारी थी। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, लगभग 13 लाख की आबादी वाला पूर्वोत्तर प्रांत मेन अमेरिका में सबसे कम हत्या वाले प्रांतों में से एक है।

बंगले में चल रही रेव पार्टी पर पुलिस ने मारा छापा, नशे में मिले कई स्टूडेंट्स

करांची । एक बंगले में हैलोवीन थीम पर चल रही रेव पार्टी में पुलिस ने छापामार कार्रवाई की है। जैसे ही वहां पर पुलिस पहुंची उस वक्त हलचल मच गई। पुलिस को अर्धनग्न हालत में नशे में धुत स्कूल स्टूडेंट्स को म्यूजिक पर झूमते पाया गया। जिन्हें पकड़कर पुलिस द्वारा थाने ले जाया गया। वहीं इस रेव पार्टी और छापेमारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पार्टी चल रही है। लड़के-लड़कियां नशे में धुत झूम रहे हैं। ये पूरा मामला पाकिस्तान के कराची का बताया जा रहा है। जहां एक बंगले में चल रही पार्टी में अचानक पुलिस आ जाती है और सभी इधर उधर भागने लगते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रेव पार्टी में मिले स्टूडेंट्स कराची के ग्रामर स्कूल के थे। बताया जा रहा है कि पार्टी के लिए परमिशन तक नहीं ली गई थी। पार्टी रात करीब 11 बजे शुरू हुई, जो देर रात तक चली। पुलिस ने सुबह करीब 4 बजे छापा मारा तब भी पार्टी चल रही थी। पूछताछ में पार्टी के आयोजकों ने बताया कि उन्होंने पुलिस स्टेशन में लेटर देकर पार्टी के लिए परमिशन ली थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि स्टूडेंट्स ने स्कूल के लेटर हेड पर परमिशन ली थी या नहीं। बंगले के मालिक की पहचान खालिद खान के रूप में हुई है। खालिद खान पर पुलिस ने छात्रों को पार्टी करने के लिए बंगला उपलब्ध कराने के आरोप में कार्रवाई की गई है। वहीं अयान खान नामक शख्स पर पार्टी में आए नाबालिग छात्रों को प्रतिबंधित सामान उपलब्ध कराने का आरोप है।

भूमिगत तहखानों से इजरायल गाजा में बड़े पैमाने पर कर रहा जमीनी घुसपैठ

न्यूयॉर्क । इजराइल गाजा में अपने भूमिगत तहखानों से लगातार बड़े पैमाने पर जमीनी घुसपैठ कर रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि वह अपहर्ताओं और उनके बंधकों को बाहर निकालने में हवाई हमलों द्वारा लगातार बमबारी में विफल हुआ है। अब इजरायली सैनिकों और टैंकों ने व्यापक रूप से अपेक्षित जमीनी हमले से पहले उत्तरी गाजा में भूमिगत तहखानों से हमास और अन्य आतंकवादी ठिकानों पर घंटों तक जमीनी हमले किए। एक रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के बीच इजरायल ने जमीन पर हमला किया। गाजा में ईंधन खत्म होने की कगार पर है, जिससे उसे क्षेत्र में राहत प्रयासों को प्रतिबंधित करना पड़ा, जो पूरी तरह से घेराबंदी के तहत है, क्योंकि दक्षिणी इजरायल में 7 अक्टूबर को हमास के खूनी तांडव ने पहले ही युद्ध को भड़का दिया था। युद्ध के दौरान गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7,000 हो गई, मृतकों की गिनती अभी भी जारी है। दशकों से चले आ रहे इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्ष में इतनी मौतें पहले कभी नहीं हुई थी। फ़िलिस्तीनी अधिकारियों को डर है कि यदि इजरायल ने हमास को कुचलने के मकसद से जमीनी हमला शुरू किया तो जानमाल का नुकसान ज्यादा होने का अंदेशा है। बता दें कि हमास ने साल 2007 से गाजा पर कब्जा कर रखा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा था कि हमास शासित गाजा में पिछले 24 घंटों में 750 से अधिक लोग मारे गए, जो पिछले दिन मारे गए 704 से अधिक हैं। बुधवार को गाजा में एक टीवी चैनल के संवाददाता वाएल दहदौह की पत्नी, बेटे, बेटी और पोते का निधन हो गया। कतर स्थित नेटवर्क ने एक अस्पताल में प्रवेश करने और अपने मृत बेटे को देखते हुए उनका फुटेज दिखाया। दाहदौह और अन्य शोक संतप्त लोग फिलिस्तीनी क्षेत्रों में पत्रकारों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नीली फ्लैक जैकेट पहनकर गुरुवार को अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इजरायली सेना ने हमास पर घनी आबादी वाले गाजा में नागरिकों के बीच काम करने का आरोप लगाया है और कहा कि यह केवल हमास के ठिकानों पर हमला करता है। फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने नागरिकों को मानव ढाल के रूप में उपयोग किया गया है।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके, 13 लोग घायल

हेरात। अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में शनिवार देर रात आए ताजा भूकंप में 13 लोग घायल हो गये। प्रांत के क्षेत्रीय अस्पताल के प्रमुख नूर गुल वलीजादा ने रविवार को बताया कि भूकंप के झटके कल देर रात महसूस किये गये। उन्होंने कहा कि घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.0 मापी गयी। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 10 किमी की गहराई में स्थित था। गौरतलब है कि रविवार को भी स्थानीय समयानुसार सुबह 9:20 बजे हेरात में 4.8 तीव्रता का एक और भूकंप का झटका महसूस किया गया। अधिकारी ने पुष्टि की कि कुल 13 घायल व्यक्तियों को अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, भूकंप से संपत्ति को भी नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि सात अक्टूबर के बाद से हेरात और पड़ोसी बदगीस एवं फराह प्रांतों में भूकंप के कई झटके आए, जिससे हजारों लोग हताहत हुए। इसके अलावा हजारों मकान नष्ट हो गए।

इजरायल-हमास युद्ध के दौरान सऊदी-ईरान भी नहीं दे रहे चीन को तवज्जो

बीजिंग (एजेंसी)। हमास और इजरायल के युद्ध के बीच चीन को भाव नहीं मिला रहा है। ईरान और सऊदी के बीच मध्यस्थता करने वाला चीन इस मामले पर अपना रुख भी स्पष्ट नहीं कर पा रहा है।

रूस और यूक्रेन में युद्ध के बीच चीन जिनता चर्चा में था अब इजरायल-हमास युद्ध में वह उतना ही दरकिनार नजर आ रहा है। ईरान और सऊदी अरब के बीच दोस्ती के लिए मध्यस्थता का दावा करने वाले चीन को अरब देश भी भाव नहीं दे रहे हैं। वहीं चीन का रुख भी इस युद्ध को लेकर स्पष्ट नहीं हो पाया है। एक तरफ चीन टू स्टेट सल्यूशन कि बात करता है तो दूसरी तरफ इजरायल को आत्मरक्षा के लिए सही ठहरा रहा है। बता दें कि चीन ईरान और सऊदी अरब दोनों के लिए इसलिए अहम है क्योंकि यह दोनों ही देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करता है।

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच भी मध्यस्थता करना चाहता था ड्रैगन

चीन ने छह महीने पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के सामने भी मध्यस्थता का ऑफर रखा था। ऐसा करके वह अमेरिका के प्रभाव को सीमित करने का प्रयास कर रहा था। अगर चीन को थोड़ी भी सफलता हासिल होती तो मध्य एशिया में उसका दबदबा बढ़ता

और इसका सीधा नुकसान अमेरिका को होता। हालांकि 7 अक्टूबर को हमास के हमले और फिर इजरायल के खतरनाक पलटवार ने चीन के इरादों पर पानी फेर दिया।

दोनों तरफ फायदा उठाना चाहता था चीन

बीजिंग इजरायल और गाजा दोनों तरफ से फायदा उठाने की फिराक में था। एक तरफ चीन ने 1960 और 70 में फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन की मदद की और आज भी टू स्टेट सल्यूशन की वकालत करता रहा है। दूसरी तरफ बीजिंग और इजरायल दूसरे सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर हैं। शुक्रवार को यूएन में हुई वोटिंग में चीन उन 119 देशों के साथ शामिल था जिन्होंने गाजा में तबाही रोकने के लिए वोट किया था। हालांकि इस युद्ध के दौरान चीन को ज्यादा भाव नहीं मिला है। बता दें कि यूएन की वोटिंग से भारत समेत 44 देशों ने खुद को अलग कर लिया था।

जब से हमास और इजरायल में युद्ध शुरू हुआ है चीन इस मामले में तटस्थ नजर आ रहा है। वह कई बार बातचीत की वकालत कर चुका है। 8 अक्टूबर को भी चीन के विदेश मंत्री ने कहा था कि बंधकों को छोड़ दिया जाए और क्षेत्र में शांति बहाल करने पर विचार किया जाए। वहीं बीजिंग की पोजीशन वही है कि कि फिलिस्तीन देश को मान्यता दी जाए।

दूसरे देशों का मुंह ताक रहा चीन

हमास और इजरायल के युद्ध के बीच चीन अपना क्लियर स्टैंड नहीं ले पा रहा है। चीन दूसरे देशों का मुंह ताक रहा है। कई जानकारों का कहना है कि चीन मध्य एशिया में दबदबा बनाने के लिए अब सही समय का इंतजार कर रहा है इसलिए वह किसी एक तरफ से ज्यादा बोलकर अपनी छवि नहीं बिगाड़ना चाहता। वहीं यह युदध सऊदी अरब और ईरान के बीच चल रहे मतभेद से बहुत अलग है। उस केस में दोनों ही देश समाधान चाहते थे। लेकिन यहां एक तरफ कट्टरपंथ है जिसका टारगेट इजरायल से भी बहुत आगे का है। दूसरी तरफ अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती है। ईरान और सऊदी अरब दोनों ही मुस्लिम देश थे वहीं यहां जंग मुसलमानों और यहूदियों के बीच की है।

बाइडन के घर के ऊपर उड़ने लगा विमान, अमेरिकी फाइटर जेट्स ने घेरकर नीचे उतारा

वॉशिंगटन। जो बाइडन के घर के ऊपर एक विमान उड़ने के समाचार मिले हैं। हालांकि उसे अमेरिकी फाइटर जेट्स ने घेरकर नीचे उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका के डेलावेयर में शनिवार को एक सिविलियन विमान नो फ्लाई जोन में घुस गया, जिसके बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने उसे फौरन रास्ते से हटाने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन विलमिंगटन में स्थित अपने घर पर मौजूद थे। यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिल्मी के हवाले से मीडिया में यह जानकारी आई है। गुग्लील्मी ने कहा कि सिविलियन विमान दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) के तुरंत बाद विलमिंगटन के उत्तर में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लड़ाकू विमानों को एहतियात के तौर पर रोका गया। गुग्लील्मी ने कहा कि विमान सुरक्षित रूप से पास के हवाई अड्डे पर उतर गया। दोपहर 2 बजे के तुरंत बाद, एक नागरिक विमान ने विलमिंगटन, डेलावेयर के उत्तर में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में इसका कोई असर नहीं पड़ा। सीक्रेट सर्विस और फरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के एजेंटों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पिछले साल भी अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक होने की खबर सामने आई थी। उस समय भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के डेलावेयर स्थित घर के ऊपर से एक छोटा प्राइवेट विमान नो फ्लाई जोन में घुस गया था, जिसकी वजह से अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई। उस वक्त जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन घर में ही थे। किसी हमले की आशंका को देखते हुए फौरन उन्हें सुरक्षित जगह ले जाया गया। बाइडन की सुरक्षा व्यवस्थाओं में यह चूक चिंता का विषय इसलिए भी है, क्योंकि इन दिनों अमेरिका में आए दिन गोलीबारी की घटनाएं सामने आ रही हैं।

इजराइली सेना अब हमास के अभेद्य दुर्ग पर चढ़ाई को तैयार, नागरिकों को उत्तरी गाजा छोड़ने की चेतावनी, तुर्किये से राजनयिक बुलाए

तेल अवीव/यरुशलम (एजेंसी)। फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को इजराइल पर किए गए बर्बर हमले के बाद समूची गाजा पट्टी आग का गोला बन गई है। इजराइल की थल सेना अत्याधुनिक टैंकों के साथ उत्तरी गाजा में घुस चुकी है।

वायु सेना लगातार रॉकेट और मिसाइल दाग रही है। इजराइली सैनिकों ने कुछ स्थानों पर अपने देश का झंडा फहराया है। इस बीच इजराइल ने उत्तरी गाजा के नागरिकों से फौरन दक्षिणी गाजा चले जाने को कहा है। साथ ही इजराइल गाजा पट्टी के सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल के नीचे मौजूद हमास के अभेद्य दुर्ग को कभी भी निशाना बना सकता है। गाजा पट्टी पर जंग का आज तेईसवां दिन है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि जंग के दूसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है। इजराइली सेना गाजा में घुसकर हमले कर रही है। यह इजराइल की आजादी की दूसरी लड़ाई है। इजराइलियों को लंबे और कठिन दौर से गुजरने के लिए तैयार रहना होगा। इस युद्ध में इजराइल का मकसद साफ है। इजराइल, हमास को खत्म कर बंधकों को वापस लाएगा। हमास हमले से बचने के लिए आम लोगों को ढाल बना रहा है। मानवता और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए हमास को जड़ से मिटाना जरूरी है।

युद्ध के तेईसवें दिन इजराइल सुरक्षा फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि हमास के आतंकियों के ठिकानों को चुन-चुन कर तबाह किया जा रहा है।प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बंधकों के परिजनों से मुलाकात की है। हमास की कैद में 229 नागरिक हैं।

इनको हमास ने सुरंगों में कैद कर रखा है। हमास ने गाजा के सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल के नीचे अपना अभेद्य किला बना रखा है। यहां सुरंगें हैं। यहां हजारों आतंकवादी भी छुपे हुए हैं। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा है कि उत्तरी गाजा में रहने वाले लोग फौरन दक्षिण में सुरक्षित क्षेत्रों में चले जाएं। वहां उनके लिए दवा, पानी और भोजन की व्यवस्था की गई है। इजराइल की लड़ाई नागरिकों से नहीं, सिर्फ हमास से है।

इस बीच एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में इंटरनेट और मोबाइल सेवा में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। इजराइली सैनिकों ने उत्तरी गाजा में एक इजरायली झंडा फहराया है। साथ ही 401वीं ब्रिगेड की 52वीं बटालियन के सैनिकों ने गाजा के मध्य में समुद्र तट के किनारे इजराइल का झंडा फहराया। हमास संचालित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि युद्ध में मरने वालों की संख्या 8,000 से अधिक हो गई है कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सऊदी अरब के रक्षामंत्री खालिद बिन सलमान अल सऊद के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए सोमवार को व्हाइट हाउस जाने की उम्मीद है। इस घटनाक्रम के बीच इजराइल ने तुर्किये से अपने सभी राजनयिकों को वापस बुलाने की घोषणा की है। इजराइल की यह प्रतिक्रिया तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के बयान के बाद आई है। एर्दोगन ने शनिवार को इस्तांबुल में फिलिस्तीन समर्थक रैली में कहा था कि वह इजराइल को युद्ध अपराधी घोषित करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिम पर इजरायल के हमले को रोकने में विफल रहने का भी आरोप लगाया था। इस बीच हमास ने कहा है कि वह अपहृत बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए इजरायल को अपने कब्जे में लिए गए सभी फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना होगा।

सैन फ्रांसिस्को में चिनफिंग-बाइडन मुलाकात 'आसान' नहीं होगी: चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के विदेश मंत्री का मानना हैं कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्र जो बाइडन की संभावित बैठक की 'राह आसान नहीं' होगी और नतीजों तक पहुंचने के लिए दोनों पक्षों को मिलकर काम करना होगा। चीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपनी तीन दिवसीय वाशिंगटन यात्रा के दौरान बाइडन के साथ-साथ अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से भी मुलाकात की थी। दोनों पक्ष ने इस दौरान सैन फ्रांसिस्को में नवंबर में आयोजित हो रहे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच (एपीईसीएफ) के शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक को लेकर काम करने पर सहमति जताई।

चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में 'अमेरिकी रणनीतिक समुदाय' के सदस्यों से हुई चर्चा का सारांश दिया गया। वांग ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक की राह 'आसान' नहीं होने वाली है और उन्हें इसके होने के लिए 'स्वतः होने' के भाव पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

वांग की तीन दिवसीय वाशिंगटन यात्रा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच उच्च प्रोद्योगिकी के निर्यात पर अमेरिकी प्रतिबंध और पूर्वी और दक्षिणी चीन सागर में चीन के आक्रमक रवैये सहित विभिन्न मुद्दों पर तनाव चरम पर है।

बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच कई मुद्दे हैं जिनका समाधान किया जाना है लेकिन दोनों पक्ष मानते हैं कि अमेरिका और चीन के बीच संवाद कायम रखना दोनों पक्षों के लिए लाभदायक और आवश्यक है।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन में चिनफिंग और बाइडन की पिछली मुलाकात का संदर्भ देते हुए वांग ने कहा कि चीन और अमेरिका को 'बाली में वापसी' करने की जरूरत है। बाली में दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने ताइवान, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के मुद्दों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की थी।

डोनाल्ड ट्रंप को राहत, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ी

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में इन दिनों आगमी राष्ट्रपति चुनाव के लिए जद्दोजहद जारी है। इस बीच अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए अपनी दावेदारी छोड़ दी है। उन्होंने व्हाइट हाउस के लिए अपना अभियान समाप्त कर दिया है। पेंस के नाम वापसी के कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, माइक पेंस शनिवार को लास वेगास में आयोजित यहूदी गठबंधन सभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बहुत विचार-विमर्श के बाद मैंने राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान आज से निलंबित करने का फैसला किया है। मैं जानता हूं कि यह एक कठिन लड़ाई है लेकिन इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं है। बता दें, पेंस राष्ट्रपति पद की दौड़ से निकलने वाले पहले उम्मीदवार बन गए हैं।

विवेक रामास्वामी भी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

विवेक रामास्वामी एक करोड़पति बिजनेसमैन हैं और अमेरिका के राज्य आइओवा में वह अपनी उम्मीदवारी के प्रचार को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। रामास्वामी का कहना है कि वह विचार आधारित कैंपेन शुरू करने पर फोकस कर रहे हैं। बता दें कि विवेक रामास्वामी के पिता एक जनरल इलेक्ट्रिक इंजीनियर थे और भारत के केरल से अमेरिका में बस गए थे। रामास्वामी की मां एक मनोचिकित्सक थी। रामास्वामी की जन्म अमेरिका सिनसिनाटी में हुआ। हावर्ड और येले यूनिवर्सिटी से पढ़े विवेक रामास्वामी की संपत्ति 500 मिलियन डॉलर के करीब है। विवेक रामास्वामी एक बायोटेक कंपनी के मालिक हैं।

निक्की हेली भी कर चुकी हैं चुनाव लड़ने का एलान

रामास्वामी के अलावा, साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली भी अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में उतरने का एलान कर चुकी हैं। निक्की हेली भी रामास्वामी की तरह भारतीय मूल की ही अमेरिकी नागरिक हैं। हेली रिपब्लिकन पार्टी से अपनी दावेदारी पेश करेंगी। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिकन पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया मुस्लिमों पर यात्रा प्रतिबंध बहाल करने का वादा, व्हाइट हाउस ने आलोचना की

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार व्हाइट हाउस के लिए निर्वाचित होने पर कुछ मुस्लिम बहुल देशों के लोगों पर अतीत में लगाया गया विवादित यात्रा प्रतिबंध बहाल करने का वादा किया। शनिवार को 'रिपब्लिकन जूइश कोलिशन' के वार्षिक शिखर सम्मेलन में ट्रंप (77) ने कहा, ''आपको यात्रा प्रतिबंध याद हैं? एक दिन मैं यात्रा प्रतिबंध बहाल करूंगा। हमने यात्रा प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि हमारे देश में ऐसे लोग आएं, जो उसे नुकसान पहुंचाने के विचार को पसंद करते हों।''

ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रशासन के दौरान लगाया गया यात्रा प्रतिबंध काफी सफल रहा। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में सबसे आगे ट्रंप ने कहा, ''हमारे देश में चार साल में एक भी घटना नहीं हुई, क्योंकि हमने बुरे लोगों को अपने देश से बाहर रखा। हमने उन्हें बाहर निकाल दिया। हमारे देश में एक भी घटना नहीं हुई।'' ट्रंप ने 2017 में अपने राष्ट्रपति कार्यकाल की शुरुआत के दौरान ईरान, लीबिया, सोमालिया, सीरिया, यमन, ईराक और सूड़ान से लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी थी।

व्हाइट हाउस ने इस बयान को लेकर पूर्व राष्ट्रपति की आलोचना की है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू

बेट्स ने कहा, ''2020 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्लामोफोबिया में 'अत्यंत' वृद्धि की निंदा की थी, जिसे उन्होंने एक 'हानिकारक बीमारी' बताया था और उनके पूर्ववर्ती द्वारा गैर-अमेरिकी मुस्लिमों पर लगाए गए प्रतिबंध को पलट दिया था।'' बेट्स ने कहा, ''नफरत के खिलाफ एकजुट होने की अब पहले से कहीं अधिक जरूरत है, क्योंकि अमेरिकी मुस्लिम और अरब अमेरिकी भयावह और दिल दहला देने वाली हिंसा का निशाना बन रहे हैं, जिसमें छह साल के बच्चे की बर्बर हत्या भी शामिल है।''

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन ने इस्लामोफोबिया (मुस्लिमों के प्रति घृणा की भावना) के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई की है। सैकड़ों समर्थकों के उत्साहवर्धन के साथ ट्रंप ने हमास को नष्ट करने के इजराइल के अभियान के साथ एकजुट रहने, बर्बर आतंकवादियों से अमेरिका और इजराइल की रक्षा करने तथा बाइडन प्रशासन की ईरान तुष्टिकरण की नीति को पलटने का संकल्प भी लिया।

बांग्लादेश : आम चुनाव से पहले हुई हिंसा से संबंधित एक मामले में वरिष्ठ विपक्षी नेता गिरफ्तार

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश पुलिस ने रविवार को विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक वरिष्ठ नेता को गिरफ्तार कर लिया। इससे एक दिन पहले बीएनपी की ओर से आयोजित सरकार-विरोधी रैली में हिंसक झड़पों के दौरान दो लोगों की मौत हो गई, जिसके कारण जनवरी में प्रस्तावित आम चुनाव से पहले देश में तनाव बढ़ गया है। बीएनपी की प्रेस शाखा के एक पदाधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को पड़ोसी इलाके गुलशन में उनके घर से गिरफ्तार किया गया। ढाका में शनिवार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा बुलाई गई रैलियों के दौरान हिंसा भड़कने से एक पुलिसकर्मी और बीएनपी के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों सहित 200 से अधिक लोग घायल हो गए। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी ने गैर-दलीय अंतरिम सरकार के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग करते हुए शनिवार को यहां एक भव्य रैली का आयोजन किया। विपक्ष की रैली के जवाब में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी ने भी शांति रैली निकाली। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की खुफिया शाखा के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, 'हमने उन्हें (आलमगीर को) कानूनी कार्रवाई के लिए अपनी हिरासत में ले लिया है।' आलमगीर की पत्नी राहत आरा ने कहा कि पुलिस शुरू में उनके घर पहुंची और उनके घर व इमारत की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज वाली हार्ड डिस्क लेकर चली गई। आरा ने कहा कि बाद में पुलिस फिर लौटी और 75-वर्षीय आलमगीर को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा, 'वह (आलमगीर) बहुत बीमार हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई की सड़कों से 30 अक्टूबर तक गायब हो जाएंगी काली-पीली टैक्सियां

मुंबई। पिछले कई दशकों से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी अपनी सेवाएं दे रही थी। इस टैक्सी सेवा को 'काली-पीली' के तौर पर जाना जाता था, अब लगभग छह दशक के बाद इसकी 'यात्रा' समाप्त हो रही है। नए मॉडल और ऐप-आधारित कैब सेवाओं के बाद ये काली-पीली टैक्सी अब मुंबई की सड़कों से 30 अक्टूबर तक हट जाएंगी। हाल में सार्वजनिक ट्रांसपोर्टर 'बेस्ट' की प्रसिद्ध लाल डबल-डेकर डीजल बसों के सड़कों से हटने के बाद अब काली-पीली टैक्सी भी नजर नहीं आएंगी। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आखिरी 'प्रीमियर पद्मिनी' को 29 अक्टूबर, 2003 को तारदेव आरटीओ में एक काली-पीली टैक्सी के रूप में पंजीकृत किया गया था। चूंकि, शहर में कैब संचालन की समयसीमा 20 साल है, ऐसे में अब सोमवार से मुंबई में आधिकारिक तौर पर 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी नहीं चलेगी। मुंबई की आखिरी पंजीकृत प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी (एमएच-01-जेए-2556) की मालिक प्रभादेवी ने कहा, 'ये मुंबई की शान है और हमारी जान है।' वहीं, कुछ लोगों ने मांग की है कि कम से कम एक 'प्रीमियर पद्मिनी' को सड़क पर या संग्रहालय में संरक्षित किया जाए। पुरानी टैक्सी कार के शौकीन डैनियल सिकेरा ने कहा कि ये मजबूत टैक्सी पांच दशकों से अधिक समय से शहर के परिदृश्य का हिस्सा रही हैं और पिछली कई पीढ़ियों से इनसे भावनात्मक जुड़ाव रहा है। हालां?कि कुछ साल पहले, शहर के सबसे बड़े टैक्सी चालक संघ में शुमार 'मुंबई टैक्सीमेन यूनियन' ने सरकार से कम से कम एक काली-पीली टैक्सी को संरक्षित करने के लिए याचिका दायर की थी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसी तरह परेल निवासी और कला प्रेमी प्रदीप पालव ने कहा कि आजकल 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी केवल मुंबई में दीवारों पर लगे पोस्टरों में देखी जा सकती हैं। हालांकि, यह धीरे-धीरे गायब हो गयी हैं, लेकिन इसने लोगों के दिलों में जगह बना ली है।

जौहर यूनिवर्सिटी को चंदे में बड़ी रकम देने वालों पर आईटी का शिकंजा

रामपुर । सपा नेता आजम खान के बाद उनके करीबियों के घर आयकर की छापेमारी चल रही है। लेकिन इसका दायरा और बढ़ सकता है। सूत्रों बताते हैं कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को मोटा चंदा देने वाले अब आईटी के रडार पर हैं। इनमें कई बड़े ठेकेदार, कुछ सफेदपोश, बिजनेसमैन से लेकर अफसर भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पहले ईडी भी ऐसे 20 लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ कर चुकी है। अब आईटी ने शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। भाजपा नेता आकाश सक्सेना की शिकायत पर शुरू हुई जांच के बाद पूर्व में ईडी ने आजम के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस लखनऊ में दर्ज किया था। आरोप था कि आजम खां ने 2012 में सपा की सरकार बनने के बाद 560 एकड़ भूमि में जौहर विवि का निर्माण शुरू कराया। इसमें नियमों और कानून को ताक पर रखकर बहुत बड़ी मात्रा में सरकारी धन का दुरुपयोग और सरकारी जमीनों को कब्जाकर निर्माण किया गया। आरोप यह भी था कि आजम खां ने अपने ठेकेदारों, उद्योगपतियों से करोड़ों रुपये चंदे के रूप में लेकर काले धन को सफेद किया। इस मामले में जब आजम खां सीतापुर की जेल में बंद थे तो ईडी ने उनसे पूछताछ करते हुए 20 लोगों को नोटिस भी जारी किया था। अब जब आयकर की रामपुर में आजम खां के करीबी ठेकेदारों के घरों-दफ्तरों पर छापामारी की बड़ी कार्रवाई चल रही है तो आईटी ने ईडी की उस जांच को भी आयकर ने अपनी सर्च में शामिल किया है। अपनी शिकायत में आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया गया था कि जिन-जिन लोगों से बड़ा चंदा लिया गया है, उनमें से सैकड़ों लोगों को यह भी पता नहीं कि उनके नाम की रसीदें काट दी गई हैं। कई लोगों के आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किए गए हैं। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी ठेकेदारों के यहां दूसरे दिन भी आयकर की छापामारी जारी रही। पीडब्ल्यूडी, जल निगम और सीएंडडीएस के बड़े ठेकेदारों से आयकर के अधिकारी दिन भर सवाल-जवाब करते रहे। करीब 34 घंटे तक चली आयकर की कार्रवाई, शनिवार की शाम छह बजे तक चली। पिछले दिनों आजम खां के घर पर छापामारी की गई थी, जिसके बाद जौहर विवि में कानपुर से सीपीडब्ल्यूडी की टीम को लाकर भवनों के निर्माण पर हुए खर्च का मूल्यांकन कराया था। आजम के करीबी बड़े ठेकेदार फरहत खां के यहां आयकर टीम को 20 लाख के आभूषण और 28 हजार की नकदी मिली।

पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री ने की मिस्र के राष्ट्रपति से चर्चा

नई दिल्ली, । पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल रात मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से टेलीफोन पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और क्षेत्र एवं दुनिया पर इसके प्रभाव पर चर्चा की तथा आतंकवाद, हिंसा और नागरिक जीवन की हानि पर अपनी साझा चिंता व्यक्त की। दोनों नेता शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली और मानवीय सहायता जारी रखने की आवश्यकता पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री ने इज़रायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत की दीर्घकालिक और सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया तथा फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत की विकास साझेदारी और मानवीय सहायता पर प्रकाश डाला। बाद में श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'कल, राष्ट्रपति अल सिसी से बात की। पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा और मानवीय स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हम आतंकवाद, हिंसा और नागरिक जीवन की हानि के संबंध में चिंताओं को साझा करते हैं। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली और मानवीय सहायता को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर सहमत हैं।'

श्रीलंका ने अवैध शिकार के आरोप में 37 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

रामनाथपुरम (तमिलनाडु)। श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) का उल्लंघन करने और गैरकानूनी तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 37 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया तथा पांच मछली पकड़ने वाले नावों को जब्त कर लिया। श्रीलंकाई नौसेना ने शनिवार और रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में इन भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने रविवार सुबह यहां कहा कि गिरफ्तार मछुआरे रामनाथपुरम जिले के थंगाचिमादम और रामेश्वरम के रहने वाले हैं। इस बीच, श्रीलंकाई नौसेना ने आज दावा किया कि उसने शनिवार की शाम और रविवार की सुबह श्रीलंकाई जलक्षेत्र से भारतीय शिकार करने वाले ट्रॉलरों को खदेड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया था। पकड़े गए मछुआरों और अवैध शिकार करने वाले ट्रॉलरों को तलाईमन्नार पियर और कंकासंथुरई हार्बर ले जाया गया और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मत्स्य अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले 14 अक्टूबर को लंकाई नौसेना ने इसी तरह के आरोप में थंगाचीमादम से 27 मछुआरों को गिरफ्तार किया था और पांच नौकाओं को जब्त कर लिया था। सूत्रों के अनुसार श्रीलंकाई नौसेना ने इस साल अब तक 174 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और 27 भारतीय शिकार करने वाले नावों को जब्त किए हैं। गिरफ्तार मछुआरों की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए, रामेश्वरम के मछुआरे हड़ताल पर चले गए और द्रमुक सरकार के हस्तक्षेप के बाद मछुआरों के एक वर्ग ने कल ही मछली पकड़ने की गतिविधियाँ फिर से शुरू कीं।

विदेशी जेलों में बंद हैं 8,437 भारतीय कैदी

नई दिल्ली । कतर में 8 भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई। आइए जानते हैं कि विदेशी जेलों में कहां और कितने कैदी बंद हैं। इसी हफ्ते कतर में 8 भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों की मौत की सजा सुनाई गई। इस खबर के आते ही भारतीय जनमानस को यह लगने लगा आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इस समय देश में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी जोरशोर से चल रही है। ऐसे माहौल में विपक्षी पार्टियां इस मामले में केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश भी कर रही है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में पीड़ित अधिकारियों को राहत दिलाने के लिए केंद्र सरकार पूरी कोशिश में जुट गई है। सरकार साथ ही कई अलग-अलग विकल्प भी तलाश रही है। गौरतलब है कि ये नौसेना के अधिकारी साल 2022 के अगस्त से ही जासूसी के आरोप में जेल में बंद हैं। जिन अफसरों को मौत की सजा सुनाई गई है, वे हैं- कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और सेलर रागेश गोपाकुमार। इनमें से कई अधिकारी भारतीय नौसेना के प्रमुख युद्धपोतों का नेतृत्व कर चुके हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि विदेशी जेलों में 10, 20 या 100 भारतीय कैदियों के मामले विचाराधीन नहीं हैं। 2023 में मार्च तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विदेशी कारागारों में 8,437 भारतीय कैदी बंद हैं।

दिल्ली का एक्यूआई का लेवल हुआ 566, प्रदूषित हवा में सांस लेना हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में दिल्ली और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में नवंबर और जनवरी के बीच हवा की गुणवत्ता में प्रमुख गिरावट देखी जाती है, जिसका मुख्य कारण मौसम संबंधी स्थितियां, पटाखे जलाना और पराली जलाना है।

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं तो सावधान हो जाइए। प्रदूषण के चलते दिल्ली की हवा अब खतरनाक स्तर तक खराब हो गई है। वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र 'सफर' के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को 309 एक्यूआई के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में रही, वहीं जहांगीरपुरी में सीजन का उच्चतम एक्यूआई 566 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि आज सुबह 9 बजे तक जहांगीरपुर में एक्यूआई 406 'गंभीर' श्रेणी में था - जिसमें 'खतरनाक' स्तर से न्यूनतम सुधार है।

सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार को औसत एक्यूआई 304 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, जो शुक्रवार को 261 एक्यूआई के साथ 'खराब' श्रेणी था। इस बीच, नोएडा की वायु गुणवत्ता भी गिर गई क्योंकि शहर का एक्यूआई 'खतरनाक' श्रेणी में 490 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को शहर का औसत एक्यूआई 286 पर 'खराब' श्रेणी में रहा।

न्यूज एजेंसी ं की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के लिए केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने भविष्यवाणी की है कि शहर की वायु गुणवत्ता और खराब होगी, जिसका मुख्य कारण तापमान में गिरावट और हवा की गति धीमी होना है। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता इस माह के अंत तक बेहद खराब रहने की आशंका है।

गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली में फिलहाल ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के दूसरे चरण लागू है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार का 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान इस सप्ताह की शुरुआत में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की घोषणा के बाद 26 अक्टूबर को लागू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को लाल बत्ती पर इंतजार करते समय अपने इंजन बंद करने के लिए प्रोत्साहित करके वायु प्रदूषण को कम करना है।

उत्तर भारत में दिल्ली और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में नवंबर और जनवरी के बीच हवा की गुणवत्ता में प्रमुख गिरावट देखी जाती है, जिसका मुख्य कारण मौसम संबंधी स्थितियां, पटाखे जलाना और खेत में आग (पराली जलाना) है। हालांकि गोपाल राय ने कहा है कि इस साल अब तक पराली जलाने के मामले पिछले साल की तुलना में कम हैं, 2022 में 5,000 की तुलना में केवल 2,500 घटनाएं दर्ज की गईं, प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में वृद्धि देखी जा सकती है।

आठ माह से जेल में बंद मनीष सिसोदिया की रिहाई पर सोमवार को फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मनीष सिसोदिया की रिहाई पर सोमवार को फैसला सुना सकता है। बता दें कि दिल्ली की विवादित आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की दो अलग-अलग नियमित जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई होनी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस. वी. एन भट्टी की पीठ इस संबंध में फैसला सुनायेगी। बता दें कि पीठ ने दोनों याचिकाओं पर 17 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में उच्चतम न्यायालय ने 17 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कहा था कि अगर दिल्ली आबकारी नीति में बदलाव के लिए कथित तौर पर दी गई रिश्वत 'अपराध से आय' का हिस्सा नहीं है, तो संघीय एजेंसी के लिए सिसोदिया के खिलाफ धनशोधन का आरोप साबित करना कठिन होगा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आबकारी नीति 'घोटाले' में कथित भूमिका को लेकर मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। वह, उस समय से हिरासत में हैं। ईडी ने सीबीआई की प्राथमिकी पर आधारित धनशोधन मामले में नौ मार्च को तिहाड़ जेल में पूछताछ के बाद सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उच्च न्यायालय ने 30 मई को सीबीआई मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि उपमुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री के पद पर रहने के नाते, वह एक 'प्रभावशाली' व्यक्ति हैं तथा वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

-राजनांदगांव में राहुल गांधी का बड़ा ऐलान

राहुल ने कहा गरीबों को मिलेगा 10 लाख तक का मुफ्त इलाज, भूमिहीन मजदूर को 10 हजार रुपए

राजनांदगांव (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजनांदगांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी की दो बड़ी घोषणाओं का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में फिर कांग्रेस की सरकार बनती है तो गरीब वर्ग को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही भूमिहीन मजदूरों को 7 हजार रुपये की राशि बढ़ाकर 10 की जाएगी।

राहुल गांधी ने राजनांदगांव में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गरीब वर्ग को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख तक का मुफ्त इलाज और अन्य लोगों को 50 हजार से बढ़ाकर 5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी घोषणा पत्र में भूमिहीन मजदूर को मिलने वाली 7 हजार रुपए की राशि 10 हजार रुपए करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले हमने छत्तीसगढ़ की जनता से जो वायदे किये थे वो पूरे किये हैं। हमने कहा था कि किसानों का कर्जा माफ होगा, और एक सरकार आएगी, किसानों की रक्षा करेगी। किसानों की, मजदूरों की आवाज सुनेगी, और उनको सुनकर सरकार चलाएगी। उन्होंने कहा कि हमने यह भी कहा था कि किसानों को धान का 2500 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। इस तरह हमने 15-20 वादे नहीं किये थे, बल्कि 4-5 वादे ही किये और उन्हें हमने पूरा करके दिखाया। वादे से आगे आज 2640 रुपए प्रति क्विंटल किसान को मिल रहा है। इसके साथ ही राहुल ने कहा कि आप भले न बोलें लेकिन इसे आने वाले समय में हम 3 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक करेंगे। क्योंकि हम किसानों के दिल की आवाज समझते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज सुबह ही मैंने और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसान और मजदूरों से बातचीत की। सभी का कहना था कि जो वर्तमान सरकार ने पिछले पांच सालों में किया है, किसी भी सरकार ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और छोटे व्यापारी और मजबूत हों यही हमारी चाह है। इसी पर आगे भी काम करने का वादा राहुल गांधी ने सभा में उपस्थित जन समूह से किया।

कांग्रेस विधायक के घर में मिली एक दिन पहले गायब हुए युवक की लाश

-युवक की हत्या की आशंका

-मृतक युवक भी विधायक के परिवार का ही सदस्य

नवादा (एजेंसी)। बिहार के नवादा में कांग्रेस विधायक के घर पर लाश मिलने से सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिसुआ से कांग्रेस विधायक नीतू सिंह के घर एक युवक का शव मिला है। वहीं इलाके के लोग युवक की हत्या की आशंका जता रहे हैं। मामला हिसुआ विधानसभा के नरहट थाना क्षेत्र का है। मृतक युवक की पहचान 24 साल के पीयूष कुमार उर्फ सुटू के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम टुनटुन सिंह है जिनका पहले ही देहांत हो चुका है। बताया जा रहा है कि जिस पीयूष का शव मिला है वो विधायक के निजी सहयोगी प्रिंस कुमार का भाई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर नवादा एसपी अंबरीष राहुल, रजौली एसडीपीओ पंकज कुमार और मेसकौर थाने की पुलिस विधायक के घर पहुंची। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया जिसके बाद देर रात तक छानबीन चलती रही। पुलिस ने सभी साक्ष्यों को जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पीयूष की हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते 25 अक्टूबर से विधायक पटना में है और आवास खाली पड़ा था, उसमें विधायक के परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था।

इस हत्या में गोलू सिंह का नाम भी सामने आ रहा है। वो विधायक नीतू सिंह के देवर सुमन सिंह और कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष आभा सिंह का पुत्र है जबकि मृतक युवक भी विधायक के परिवार का ही सदस्य है। रिश्ते में गोलू और मृतक पीयूष चचेरे भाई थे। इस पूरे मामले में नवादा के एसपी अम्बरीष राहुल ने बताया कि शाम 4:30 बजे नरहट थाने को सूचना मिली थी कि हिसुआ की विधायक नीतू सिंह के घर पर बंद कमरे में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी तुरंत घटना स्थल पहुंचे जहां घर की जांच की गई तो एक रूम से शव मिला। शव की पहचान पीयूष सिंह के रूप में हुई जो विधायक नीतू सिंह के दूर के रिश्तेदार थे। जिस रूम में लाश मिली है वह गोलू सिंह का है। गोलू सिंह नीतू सिंह के भतीजे हैं और शुरुआती शक उन्हीं पर है। एसपी ने कहा कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रियंका ने 100 झूठ में से एक सच बोला, कांग्रेस का विकास में विश्वास ही नहीं : शिवराज

भोपाल, । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर हमला बोलते हुए आज कहा कि श्रीमती वाड्रा ने 100 झूठ में एक सच ये बोला कि उनके स्वर्गीय पिता राजीव गांधी ने अमेठी का कोई विकास नहीं किया। श्री चौहान ने अपने वीडियो संदेश में कहा, श्रीमती वाड्रा मध्यप्रदेश में आकर लगातार झूठ बोल रही है, लेकिन 100 झूठों में कल उन्होंने एक सच ये बोला कि उनके स्वर्गीय पिताजी ने भी अमेठी का विकास नहीं किया। कांग्रेस का विश्वास विकास में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 'श्रीमान बंटाढार' (दिग्विजय सिंह) प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब प्रदेश को उन्होंने तबाह और बर्बाद करके रख दिया था। ना सड़क थी, ना बिजली थी, ना पानी था, चारों तरफ केवल हाहाकार था। प्रियंका गांधी वाड्रा ने ये सच स्वीकार कर लिया कि कांग्रेस विकास नहीं करती। विकास केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही करती है। प्रियंका गांधी वाड्रा कल प्रदेश के दमोह में चुनावी सभा को संबोधित करने आईं थीं।

हमास के समर्थन में निकली रैली, बुलडोजर हिंदुत्व को उखाड़ फेंको का लगा नारा

-युवा प्रतिरोध रेली में खालिद मशाल ने वर्चुअली किया संबोधित, देश में मचा बवाल

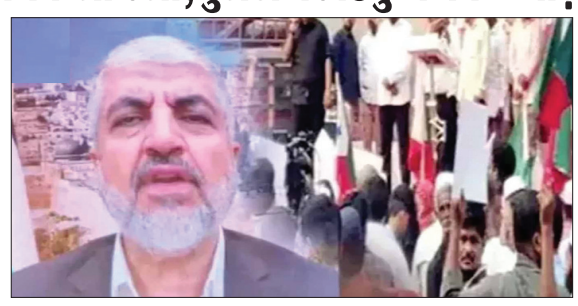

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। इजरायल और आतंकवादी संगठन हमास के बीच जारी जंग के दौरान देश में हमास के समर्थकों ने रैली निकाल कर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। इस रैली को हमास नेता खालिद मशाल ने सिर्फ संबोधित ही नहीं किया बल्कि ,बुलडोजर हिंदुत्व को उखाड़ फेंको का नारा लगवाकर आग में घी डालने का काम कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार यहां मल्लापुरम में फिलिस्तीन के समर्थन में एक रैली निकाली गई है। इस रैली को हमास नेता खालिद मशाल ने वर्चुल संबोधित किया। इसके बाद केरल के साथ-साथ देश में भी बवाल मचा हुआ है। दरअसल शुक्रवार को खालिद ने मल्लापुरम में सॉलिडेरिटी युवा आंदोलन द्वारा आयोजित युवा प्रतिरोध रैली में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एकजुटता युवा आंदोलन जमाएत-ए-इस्लामी की यूथ विंग है जिसने मल्लापुरम में इस रैली का आयोजन किया था। रैली में 'बुलडोजर हिंदुत्व और रंगभेदी यहूदीवाद को उखाड़ फेंको' का नारा दिया गया। वहीं इस रैली को लेकर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

के. सुरेंद्रन ने कहा कि 'केरल के मल्लापुरम में सॉलिडेरिटी कार्यक्रम में हमास नेता खालिद मशाल का वर्चुअल संबोधन चिंताजनक है। उन्होंने पूछा कि अब कहां है मुंख्यमंत्री पिनराई विजयन की केरल पुलिस 'फिलिस्तीन बचाओ' की आड़ में, वे एक आतंकवादी संगठन हमास और उसके नेताओं को 'योद्धा' के रूप में महिमामंडित कर रहे हैं, यह अस्वीकार्य है!' बता दें कि खालिद मशाल, हमास का पोलित ब्यूरो का संस्थापक सदस्य है। वह साल 2017 तक इसका अध्यक्ष था। कई सालों तक, खालिद ने हमास का नेतृत्व किया है। खालिद का जन्म वेस्ट बैंक में हुआ था और उसका पालन-पोषण कुवैत और जॉर्डन में हुआ था। वह साल 2004 में निर्वासन में हमास के राजनीतिक नेता बना। खालिद मशाल कभी गाजा में नहीं रहा और जॉर्डन, सीरिया, कतर और मिस्र से काम करता था। इजरायल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, खालिद अब कतर में स्थित है और उसकी कुल संपत्ति 4 बिलियन डॉलर है।

अब 5जी की दुनिया में अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर 2022 प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 5जी सेवाओं का उद्घाटन किया। आम आदमी के लिए उन्होंने 5जी की धारणा पर जोर दिया कि यह विविध सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में नवाचारों को सक्षम करके आम आदमी के जीवन को बदल सकता है। इसे साकार करने के लिए मार्च 2023 में पीएम मोदी ने 100 5gLabs की स्थापना पर जोर दिया है।

पीएम मोदी की घोषणा अब हकीकत बन गई है, जहां 100 संस्थानों को 5जी लैब के पुरस्कार के लिए चुना गया है, जिसमें कॉम्पैक्ट 5जी नेटवर्क और ड्रोन, एआरवीआर हेड सेट, स्टार्ट अप केस्टिंग किट जैसे उपयोगी उपकरण शामिल हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य से संबंधित केस अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए हैं। 100 नई 5जी प्रयोगशालाएं परीक्षण सह अध्ययन केंद्र के रूप में काम करेंगी, जो छात्रों और स्टार्टअप जैसे स्थानीय नवोन्वेषकों को कौशल प्रदान करेंगी और भारत की आम आदमी की जरूरतों के अनुसार नए रेंज के अनुप्रयोगों को विकसित करने में सहायता करेंगी, जिससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। अब पीएम मोदी की मौजूदगी में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, यूपी, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में 5जी लैब को पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इन लैब के साथ भारत 5जी और 6जी तकनीक की मदद से विकास और तैनाती में अग्रणी होगा।

बता दें कि 27 अक्टूबर को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण के दौरान देशभर के चुनिंदा संस्थानों में 100 नई 5त्न लैब का उद्घाटन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रमुख प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के रूप में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2023 के 7वें संस्करण का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य प्रमुख अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के डेवलपर, निर्माता और निर्यातक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। तीन दिवसीय कार्यक्रम नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 6जी में नेतृत्व करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, '21वीं सदी में तेजी से बदलती दुनिया के समय में आयोजित यह कार्यक्रम करोड़ों लोगों का भविष्य बदलने की क्षमता रखता है।' मोदी ने कहा कि भारत में सबसे तेज़ 5जी मोबाइल टेलीफोनी रोल-आउट देखा गया; रोल-आउट के एक वर्ष के भीतर 4 लाख 5जी बेस स्टेशन स्थापित किए गए। मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड में भारत पिछले 118वें स्थान से 43वें स्थान पर पहुंच गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भष्टाचार में लुप्त अधिकारी नगरसेवक की सिफारिश

कार्यकर्ताओं,दलालों से हेरान-परेशान जनता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,मनपा के आये दिन भष्टाचार के अनेक प्रकार की फरियाद अधिकारीयों से आने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नही किया जाता जिसका मुख्य कारण यह भी हैं की नगरसेवक अवैध कार्य पूरा करने के लिए अधिकारीयों पर दवाब बनाये जाते हैं जिसके चलते कुछ व्याहारिक सौदा बाजी भी किया जाता हैं,कस किसी बांधकाम में सूरत मनपा की टीम की नजरअंदाज कर कार्य पूरा करने की कोशिश कर रहे होतो हैं जिसकी वजह से सोसायटी में सफ़ाई के नाम पर सोसायटी में रहने वाले लोगो के सिर्फ बीमारीयों ही मिलती हैं, नगर सेवक को इस समस्याओं के लिए समयनही होता लेकिन किसी प्रकार की बांधकाम की सिफारिश करने के लिए अधिकारीयों की ऑफिस में बैठ कर चर्चाएँ करने का पर्याप्त समय दिया जाता हैं इस प्रकार की जानकारी अधिकारीयों के पास से मिली,

फरियाद करने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नही किया जाता,सिर्फ सेटिंग.कॉम से कामकाज किया जा रहा हैं यकीन न हो तो तस्वीरें भी देखने का कस्ट करें

सचिन पलसाना चोकड़ी पासे कंटेनर की टायर में आने से युवक की मोत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.

सूरत, सचिन में पानी विभाग के पाइपलाइन की खोदाई के दोरान रास्ता में कंटेनर चालक नशा में होने से और साथ ही रास्ता में पाइपलाइन की खोदाई चल रही होने से लगभग २०० फिट तक टायर के चपेट में आने के बाद भी कंटेनर चालक रुका नही. घटना स्थल में भीड़भाड़ देखते हुए पुलिस को सुचना दिया गया और पुलिस घटना स्थल पर पहुँच कर जाँच पड़ताल किया.और आगे की कार्यवाही किया जा रहा हैं.

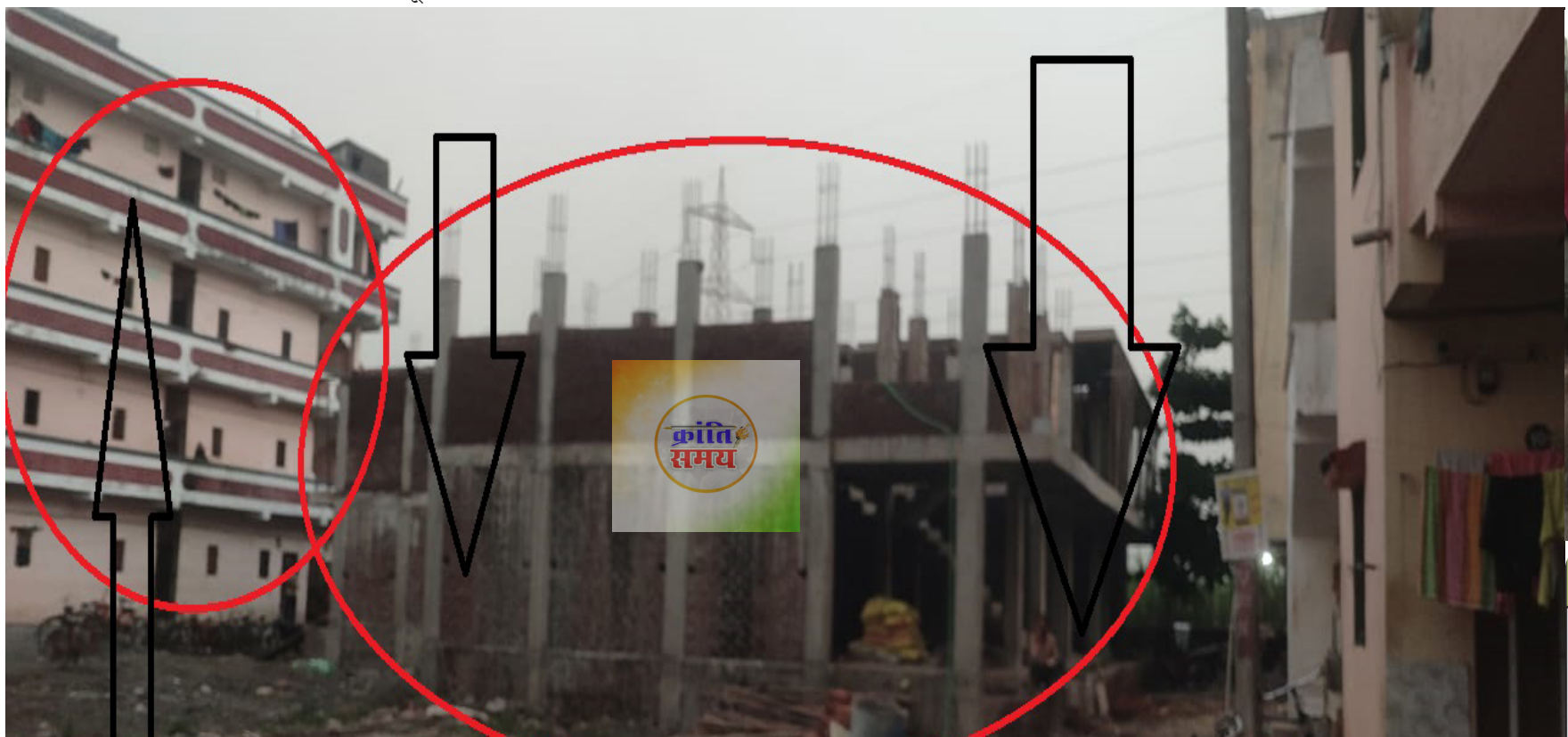

तीसरी आंख